INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-63 | मथुरा, गुरुवार, 30 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पुलिस ने जुआ घर पर छापेमारी कर 20 जुआरी किये गिरफ्तार

यूनिक समय, राया (मथुरा)। पुलिस ने बुधवार की शाम नीमगांव क्षेत्र के गांव पीहरी में लंबे समय से चल रहे जुआ घर पर छापेमारी की कार्रवाई कर 20 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनसे लाखों की नकदी सहित बाइक और कार बरामद की हैं। क्षेत्राधिकारी महावन स्वेता वर्मा ने बताया कि गांव पीहरी में चंद्रपाल अपने मकान में जुआ घर संचालित कर रहा था।

सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह ने कस्बा पुलिस चौकी प्रभारी उज्ज्वल शर्मा तथा राजेश यादव आदि पुलिसकर्मियों की चार टीमें गठित कर छापेमारी की कार्रवाई की। इस दौरान गौर निवासी वृन्दावन, ओमप्रकाश निवासी वृन्दावन, राकेश निवासी वृन्दावन, श्रीफल पीहरी थाना राया, रोविन निवासी बिवावली थाना मांट, जीतू निवासी नगला चंद्रभान थाना हाईवे, आमीन गोविंदकुंज टीला वृन्दावन, अंग्रेज सिंह निवासी बड़ौता थाना जैंत, बबलू निवासी बैंसवा थाना गोरई, गोपाल निवासी थाना सुरीरकला संजय निवासी गोरई, सोमेश निवासी नीमगांव, हुबबलाल निवासी धोरेरा थाना जैंत सोनू निवासी असगरपुर गोवर्धन नीरज निवासी राया, सुनील निवासी कारब थाना महावन मुकेश निवासी कारब, अकबर निवासी सुरीर छापेमारी के दौरान गिरफ्तार जुआरियों की संख्या को देखते हुए मिनी बस मंगाई गयी जिसमें पकड़े गये जुआरियों को भरकर थाना राया लाया गया।

राया पुलिस की कस्टडी में बाइक और कार।

इंटर कालेज को बनाया गया पार्किंग स्थल

यूनिक समय, राया (मथुरा)। राया पुलिस ने छापेमारी के दौरान गांव विबावली के एक इंटर कालेज परिसर में खड़ी जुआ खेलने आये जुआरियों की 11 बाइक तीन कार भी बरामद की हैं, जिन पर डॉक्टर और प्रसाशन लिखा हुआ था। बताया गया है कि इन वाहन स्वामियों से गाड़ी पार्किंग में खड़े करने के एवज में रुपये लिये जाते थे। पुलिस पकड़े वाहनों में कुछ संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही है।

चार लाख 80 हजार की नकदी,11 बाइक, तीन कार बरामद

डॉक्टर, प्रशासन लिखी कार बरामद

विजयु, उमेश निवासी जयसिंहपूरा, वैभव निवासी शाहगंज कच्ची सड़क गोविंदनगर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यहां से चार लाख 80 हजार रुपए ताश की गड्डियां 16 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। कार्रवाई के दौरान मकान मालिक चंद्रपाल सहित तीन अभियुक्त मौके का फायदा उठाकर फरार हो गये।

पुलिस द्वारा जुए के फड़ पर

वृंदावन में श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में भ्रमण करने के लिए महिला श्रद्धालु आती है। इनमें कई महिला श्रद्धालुओं के साथ ऐसी घटना घट जाती है, कि लोग सोचते रह जाते हैं। इसकी वजह होती है कि कोई उनके गले से सोने की जंजीर तोड़ कर ले गया। किसी का मंगल सूत्र तोड़कर ले गया। जब उनको यह मालूम है कि वह भीड़ भाड़ वाले इलाके में जा रही है तो सोने की जंजीर और मंगलसूत्र पहनकर क्यों आती हैं। वह चोर उच्चकों की शिकार हो जाती है तो सुनने वाले लोग भी हैरान से रह जाते हैं। अभी हाल ही में एक महिला के गले से पांच लाख रुपये कीमत को मंगलसूत्र उड़ाकर ले गया। इससे पहले एक महिला के गले से दो तोले की जंजीर (लॉकेट) पार हो गया। यह एक दो महिला श्रद्धालुओं के साथ होने वाली घटना नहीं है बल्कि आए दिन किसी न किसी महिला श्रद्धालुओं के साथ होने वाली घटनाओं की हकीकत है। ऐसी महिला पुलिस के पास जाकर घटना के बारे में बताती है तो प्रश्न यही सामने आता है कि आखिर महंगाई के जमाने में वह सोने के जेवर पहनकर क्यों आती हैं। वह कोई किस्मत वाली महिला श्रद्धालु होती है, जिसका सामान मिल जाता है, लेकिन अधिकांश का सामान मिलता तक नहीं है। इन घटनाओं के साथ पर्स में हजारों लाखों रुपये लेकर चलने वाली महिला श्रद्धालुओं की कहानी भी है। उनके पर्स को लेकर बंदर ले उड़ता है तो बंदर मकानों की ऊपरी मंजिल पर बैठकर पर्स खोलकर रुपयों की बारिश करता

महिला श्रद्धालुओं के गले पर चोर उच्चकों की नजर

किसी के गले से जंजीर, किसी के गले मंगलसूत्र गायब

है तब राहगीरों के कदम भी ठिठक जाते हैं। समझ नहीं आता है कि महिला श्रद्धालु हजारों और लाखों रुपये लेकर यात्रा पर क्यों आती है। बंदरों की करतूत किसी से छिपी नहीं है। वह रोजाना ही सैकड़ों श्रद्धालुओं को अपना शिकार बनाते हैं। प्रमुख रास्तों में यही शोर मचता सुनाई देता है कि ले गया बंदर पर्स ले गया। पर्स छुड़ाने के लिए फिरौती बतौर फ्रूटी दी जाती है। उससे पहले तो वह बंदर पर्स को खोलकर नोटों की बारिश करना शुरू कर देता है। आखिरकार वृंदावन आने वाली महिला श्रद्धालु कब सोने के जेवर पहनकर वृंदावन आना बंद करेंगी। कई बार तो श्रद्धालु अपनी गाड़ियों को अवैध पार्किंग स्थल और इधर उधर खड़ी कर दर्शन को चले जाते हैं, वह जब लौटकर आते हैं तो आंखें फटी की फटी रह जाती है। उनकी गाड़ी से जेवर, पर्स, नकदी और मोबाइल गायब है। इस मामले में पुलिस ने चोरों को पकड़ा तो यह उजागर हुआ कि वह गाड़ियों के आसपास ही मंडराते हैं और मौका लगते ही माल साफ कर ले जाते हैं।

मजदूर दिवस : मजदूरों की मेहनत से चमकता शहर

यूनिक समय, मथुरा। कल एक मई को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस सिर्फ एक औपचारिक दिन नहीं, बल्कि उन मेहनतकश हाथों को सम्मान देने का अवसर है जो मथुरा की पहचान को जीवित रखते हैं। श्रीकृष्ण की नगरी में जहां एक ओर भक्ति और पर्यटन का केंद्र है, वहीं दूसरी ओर हजारों मजदूरों की मेहनत से ही यह शहर निरंतर गतिशील बना हुआ है। मथुरा–वृंदावन आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधाओं के पीछे मजदूरों की कड़ी मेहनत छिपी होती है। मंदिरों के आसपास सफाई, होटल–ढाबों में काम, रिक्शा चलाना या घाटों की देखरेख–हर जगह मजदूर ही शहर की धड़कन बने हुए हैं। खासकर वृंदावन और यमुना नदी के किनारे होने वाले निर्माण कार्यों में उनकी बड़ी भूमिका है। हालांकि, इन मजदूरों की जिंदगी आज भी कई मुश्किलों से घिरी है। अधिकांश श्रमिक दिहाड़ी पर निर्भर हैं, जहां काम मिलने की कोई गारंटी नहीं होती। मजदूरी दर में असमानता, समय पर भुगतान न मिलना और सामाजिक सुरक्षा की कमी उनके सामने बड़ी समस्याएं हैं। मथुरा में महिला मजदूरों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। वे निर्माण कार्यों से लेकर घरेलू उद्योगों तक सक्रिय हैं, लेकिन उन्हें पुरुषों की तुलना में कम मजदूरी मिलना आज भी एक बड़ा सवाल बना हुआ है। सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं जैसे श्रम कार्ड, बीमा योजनाएं और आवास सुविधाएं कागजों पर तो मौजूद हैं, लेकिन इनका पूरा लाभ अभी भी सभी मजदूरों तक नहीं पहुंच पा रहा है। कई मजदूरों को इन योजनाओं की जानकारी तक नहीं है। मथुरा की धार्मिक और सांस्कृतिक चमक के पीछे जिन हाथों की मेहनत छिपी है, उन्हें पहचान और सम्मान मिलना बेहद जरूरी है। मजदूर दिवस सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि यह याद दिलाने का अवसर है कि शहर की असली ताकत उसके मजदूर ही हैं।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस कल

कालाबाजारी

जिले में राशन चावल खरीद माफिया का नेटवर्क सक्रिय

राशन का चावल खरीद रहे माफिया के एजेंट

यूनिक समय, फरह/मथुरा। पात्र गृहस्थी और अंत्योदय कार्ड धारकों से राशन का चावल खरीदने का काम माफिया के एजेंट कर रहे हैं। मोपेड़ के माध्यम से एजेंट हर रोज कई क्विंटल चावल लाकर माफिया का गोदाम भर रहे हैं। क्षेत्र में चल रहे इस गोरख धंधे की भनक जिम्मेदार अधिकारियों को नहीं है। एक एजेंट एक दिन में दो हजार रुपये की राशन के चावल की खरीद से कमाई कर रहा है। सरकार की ओर से अंत्योदय और पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को गेहूं के अलावा चावल भी उपलब्ध कराया जाता है। राशन में मिलने वाले चावल को कार्ड धारक घर ले जाने के बजाय बेच रहे हैं। गांव में इस राशन के चावल को खरीदने के लिए माफिया के एजेंट सुबह से दोपहर तक राशन की दुकानों के आसपास सक्रिय रहते हैं। मोटी कमाई की वजह से जिम्मेदार विभाग के अधिकारी भी इस खेल से अंजान बने बैठे हैं। गांव–गांव चल रहा राशन माफिया का यह नेटवर्क काफी मजबूत हो चुका है। एक एजेंट एक दिन में कई क्विंटल चावल खरीद कर माफिया के गोदाम को भरने में जुटा रहता है। राशन के चावल को खरीद कर गोदाम तक लाने वाले एजेंटों को माफिया दो रुपये प्रति किलो का मुनाफा देता है। ऐसे में एक एजेंट एक दिन में काफी मात्रा में चावल खरीद कर माफिया के गोदाम में पहुंचाने में जुटा रहता हैं।

राशन की कालाबाजारी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि राशन के चावल की खरीद विभागीय अधिकारियों की कृपा से चल रही है। मथुरा के अलावा आगरा से भी चावल खरीद कर माफिया के गोदाम तक पहुंचाया जा रहा है। जिम्मेदार अधिकारियों के हाथ माफिया की ओर से मिलने वाली व्यवस्था ने बांध रखे हैं। फरह क्षेत्र के पूर्ति निरीक्षक पवन कुमार से इस बारे में बात करने को उनके नंबर पर कॉल की गई, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। कुछ देर बाद फोन आया और ऐसी जानकारी से इन्कार कर दिया। वहीं, जिला पूर्ति अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने ऐसी जानकारी से अभिज्ञता जताई है।

मोपेड सवार एजेंट हर दिन भर रहे राशन के चावल से माफिया का गोदाम

एक एजेंट एक दिन में कर रहा है दो हजार रुपये की कमाई, जिम्मेदारों को नहीं है भनक

चांदी की गिरावट का असर मथुरा के बाजार में दिखा

सराफा बाजार में तीन महीने में 45 प्रतिशत गिरावट

यूनिक समय, मथुरा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई भारी गिरावट का असर अब मथुरा के सर्राफा बाजार में भी साफ दिखाई देने लगा है। साल 2026 की शुरुआत में जहां चांदी ने रिकॉर्ड तेजी दिखाई थी, वहीं अब महज तीन महीनों में इसकी कीमतों में करीब 45% तक गिरावट दर्ज की गई है।

जानकारी के अनुसार, 29 जनवरी 2026 को घरेलू वायदा बाजार में चांदी की कीमत 4,39,333 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई थी, जबकि एमसीएक्स पर इसका क्लोजिंग भाव 4,24,316 लाख रुपये प्रति किलो रहा। लेकिन 28 अप्रैल तक यह गिरकर 2,37,000 लाख रुपये प्रति किलो पर आ गई। यानी करीब 1.87 लाख रुपये प्रति किलो की बड़ी गिरावट देखी गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह गिरावट पूरी तरह कमजोरी नहीं,

बल्कि तेज उछाल के बाद आया 'करेक्शन फेज' है। मजबूत डॉलर, अमेरिका में ऊंची ब्याज दरें और पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने चांदी की कीमतों पर दबाव बनाया है। फरवरी

रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसले दाम

मजबूत डॉलर और ब्याज दरों का असर

निवेशकों के लिए सतर्क रहने की सलाह

के अंत में, ईरान से जुड़े तनाव से पहले चांदी 2,78,481 लाख रुपये प्रति किलो थी, जो मौजूदा स्तर से लगभग 15% ज्यादा है। अप्रैल में तो बाजार और भी ज्यादा अस्थिर रहा। सिर्फ 10 दिनों में चांदी के दाम 25,000 रुपये तक ऊपर-नीचे हुए। इस उतार-चढ़ाव का असर मथुरा के व्यापारियों और ग्राहकों दोनों पर पड़ा है। सर्राफा कारोबारियों के अनुसार, ग्राहक अभी खरीदारी को लेकर सतर्क हैं और बाजार में सुस्ती का माहौल है। विश्लेषकों का कहना है कि अगर चांदी 2.35 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर से नीचे जाती है, तो यह 2.25 लाख रुपये तक भी गिर सकती है। हालांकि लंबी अवधि में चांदी का रुझान अभी भी मजबूत माना जा रहा है, क्योंकि औद्योगिक मांग और निवेश की संभावनाएं बनी हुई हैं। निवेश के लिहाज से विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि फिलहाल जल्दबाजी से बचें। फिजिकल सिल्वर, ईटीएफ और एसआईपी जैसे विकल्प मौजूद हैं, लेकिन बाजार अभी 'कायोटिक करेक्शन' के दौर में है। मथुरा के लिए यह समय समझदारी से निर्णय लेने का है-क्योंकि चांदी की चमक भले ही अभी फीकी पड़ी हो, लेकिन भविष्य में इसके फिर दमकने की उम्मीद बनी हुई है।

तापमान / मौसम

40 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,46,060

22 कैरेट 1,39,750

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,42,717 प्रति किलो

बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)
वाट्सऐप: 8010957826

बेसिक शिक्षा को मजबूती

हजारों छात्र-छात्राओं तक पहुंचेगा स्कूल बैग

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। नए शैक्षणिक सत्र में मथुरा के छात्रों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को अब मुफ्त स्कूल बैग उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उनकी पढ़ाई को आवश्यक आधार मिल सकेगा। इस योजना के तहत प्रदेश स्तर पर कुल 350 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था, जिसमें से 253.75 करोड़ रुपये की मंजूरी मिल गई है। यह राशि सरकारी, सहायता प्राप्त और समाज कल्याण विभाग के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों पर खर्च की जाएगी। मथुरा जनपद में अनुमानित रूप से एक से डेढ़ लाख के बीच छात्र-छात्राएं इस योजना से लाभान्वित हो सकते हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में कक्षा 1 से 8 तक पढ़ाई कर रहे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को सीधा सहारा मिलेगा। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सहायता राशि सीधे अभिभावकों के आधार से जुड़े बैंक खातों में भेजी जाएगी। इससे न केवल भ्रष्टाचार की संभावना कम होगी, बल्कि वास्तविक लाभार्थियों तक समय पर सहायता पहुंचेगी। शिक्षा क्षेत्र के आंकड़ों के

नए सत्र कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों का मुफ्त बैग से बढ़ेगा आत्मविश्वास

मथुरा में एक से डेढ़ लाख के बीच छात्र-छात्राएं होंगे लाभान्वित

डीबीटी के जरिए अभिभावकों के खातों में पहुंचेगी राशि

अनुसार, प्राथमिक स्तर पर छोटे खर्च भी कई परिवारों के लिए चुनौती बनते हैं। ऐसे में एक स्कूल बैग जैसी बुनियादी सुविधा बच्चों के स्कूल जाने की निरंतरता और आत्मविश्वास को मजबूत करती है। अभिभावकों का मानना है कि इस पहल से बच्चों के स्कूल जाने का उत्साह बढ़ेगा और पढ़ाई में रुचि भी मजबूत होगी।

यह योजना केवल सुविधा नहीं, बल्कि शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है-जहां हर बच्चे को समान अवसर देने की कोशिश दिखाई देती है।

ग्राम रोजगार सेवकों ने मानदेय न मिलने पर किया विरोध प्रदर्शन

यूनिक समय, चौमुहां। चौमुहां विकास खंड की विभिन्न ग्राम पंचायतों में तैनात ग्राम रोजगार सेवकों को पिछले 12 माह से मानदेय न मिलने पर भारी आक्रोश देखने को मिला। ग्राम रोजगार सेवक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष झब्बू सिंह के नेतृत्व में दर्जनों रोजगार सेवकों ने ब्लॉक कार्यालय पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान सभी ने अपनी समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के नाम पंजीकृत डाक से ज्ञापन भी भेजा।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि मानदेय न मिलने के कारण उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति अत्यंत खराब हो गई है। बच्चों की पढ़ाई, घर का खर्च और दैनिक जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो गया है। कई सेवकों ने कहा कि वे अपने निजी खर्च पर मोबाइल, इंटरनेट, स्टेशनरी और अन्य कार्य सामग्री का खर्च उठा रहे हैं।

सेवकों ने सरकार से मांग की कि उनका मानदेय नियमित किया जाए और इसे बढ़ाकर 24 हजार रुपये किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे कार्य बहिष्कार करने को मजबूर होंगे।

द्वारकाधीश मंदिर में भव्य नृसिंह लीला का मंचन

नृसिंह जी का भव्य अभिषेक, फूल बंगला में हुए विराजमान

भगवान नृसिंह के प्राकट्य दर्शन, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

यूनिक समय, मथुरा। गली सतघड़ा स्थित प्राचीन विग्रह नृसिंह भगवान का वेद पाठी ब्राह्मणों के द्वारा मंत्र उच्चारण एवं शहनाई वादन के बीच सेवायत पहलाद शर्मा, लक्ष्मीकांत शर्मा, मदन मोहन शर्मा के द्वारा 101 किलो दूध दही शहद बूरा घी से भव्य अभिषेक एवं पूजन किया गया। इसके बाद भगवान को गुलाब इत्र लगाकर नवीन पोशाक धारण कराकर फूल बंगले में विराजमान किया गया। अनिल अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, कान्हा माखन परिवार एवं अन्य भक्तों द्वारा द्वारा भव्य आरती उतारी गई।

फूल बंगला में विराजमान नृसिंह भगवान।

इसके साथ ही प्रसाद वितरण हुआ और अभिषेक का समापन हुआ। आज रात्रि से नरसिंह लीला का आयोजन भी होगा, जो रात भर चलेगी और सुबह 10 बजे भगवान नरसिंह खंभे में से प्रकट होकर भक्तों को भव्य रूप में दर्शन देंगे। अभिषेक में प्रमुख रूप से सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान के सचिव नारायण प्रसाद शर्मा पप्पन शर्मा, विजय अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, लक्ष्मण, सुनील अग्रवाल, छुट्टन पंडित आदि उपस्थित रहे।

पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के प्रसिद्ध ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में वैशाख मास की शुक्ल पक्ष चतुर्दशी के अवसर पर भव्य नृसिंह लीला का मंचन किया गया।

मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 डॉ. वागीश कुमार महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर के सभी धार्मिक कार्यक्रम गोस्वामी की आज्ञा से ही संचालित किए जाते हैं। शाम 5:40 बजे नृसिंह लीला का मंचन प्रारंभ हुआ और शाम 6:15 बजे भगवान नरसिंह के प्राकट्य दर्शन श्रद्धालुओं के लिए खोले गए। उन्होंने बताया कि नृसिंह लीला अधर्म पर धर्म और सच्ची भक्ति की विजय का प्रतीक है। इस अद्भुत लीला को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। पूरा परिसर "नरसिंह भगवान की जय" के जयकारों से गूंज उठा।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

मजदूर बन रहे जाम की वजह इंटरनेट मीडिया पर छाई समस्या

यूनिक समय, मथुरा। काम की तलाश में एकत्रित होने वाले मजदूर अब जाम की वजह बन रहे हैं। गुरुवार को ऐसी समस्या से जुड़ा एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ। मजदूरों को जाम की वजह बताते हुए प्रशासन से व्यवस्था में सुधार की मांग की गई है।

सुबह के समय सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ। प्रसारित वीडियो टाउनशिप-औरंगाबाद के मध्य से गोकुल बैराज की ओर जाने वाले मार्ग का बताया गया है। वीडियो में काफी संख्या में मजदूर सड़क पर खड़े हुए हैं, जिसकी वजह से जाम लगा हुआ है।

वीडियो प्रसारित करने वाले का कहना है कि यह रोज की समस्या है। मजदूरों की वजह से जाम लगता है, जिससे स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों के अलावा अन्य लोगों को भी समस्या सहनी पड़ती है। परेशान लोगों ने प्रशासन से मजदूर मंडी को हटवा कर व्यवस्था सुधरवाने की मांग की है।

औरंगाबाद के समीप गोकुल बैराज मार्ग पर खड़े मजदूर।

रोजगार

मथुरा के लिए प्रेरणा बन सकता है अनोखा मॉडल

बॉडीबिल्डर्स संभाल रहें बुजुर्गों की जिम्मेदारी

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में बुजुर्गों की देखभाल को लेकर एक नई सोच विकसित हो सकती है, जिसकी प्रेरणा विदेश में चल रहे एक अनोखे प्रयोग से मिल रही है। वहां केयर वर्कर की भारी कमी को दूर करने के लिए बॉडीबिल्डर्स, सुमो पहलवान और एमएमए फाइटर्स को वृद्धाश्रमों में नियुक्त किया जा रहा है। यह प्रयोग न सिर्फ रोजगार दे रहा है, बल्कि बुजुर्गों के जीवन में नई ऊर्जा भी भर रहा है।

इस मॉडल में एथलीट्स को हर महीने करीब 1.3 लाख रुपये तक वेतन दिया जाता है। इसके साथ ही उन्हें रोजाना 2 घंटे जिम करने के लिए अलग से भुगतान, मुफ्त रहने की सुविधा और प्रोटीन सप्लीमेंट जैसे लाभ भी मिलते हैं। कोची प्रांत के एक केयर सेंटर में करीब 10 एमएमए फाइटर्स

बुजुर्गों की सेवा कर रहे हैं, जो दिन में उनकी देखभाल करते हैं और रात में अपना अभ्यास करते हैं। इचिनोमिया के एक केयर सेंटर में 26 वर्षीय बॉडीबिल्डर ताकुया उसुई जैसे युवा बुजुर्गों को व्हीलचेयर से उठाकर बेड तक पहुंचाने का काम बेहद सहजता से करते हैं। उनकी ताकत बुजुर्गों के लिए सुरक्षा का एहसास बनती है। वहीं, इन युवाओं का भावनात्मक जुड़ाव भी गहरा होता है-कई बार किसी बुजुर्ग की मौत पर वे खुद को संभाल नहीं पाते।

संस्थाओं का मानना है कि बॉडीबिल्डर्स और फाइटर्स न केवल शारीरिक रूप से सक्षम होते हैं, बल्कि वे माहौल में उत्साह और सकारात्मकता

दिन में सेवा, रात में अभ्यास

आकर्षक वेतन और सुविधाओं से जुड़ रहे युवा

भी लाते हैं। उनका व्यक्तित्व बुजुर्गों को मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता है। मथुरा में भी यह मॉडल कारगर साबित हो सकता है। यहां के अखाड़े और जिम से जुड़े युवा इस दिशा में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। इससे बुजुर्गों को बेहतर देखभाल और भावनात्मक सहारा मिलेगा, वहीं युवाओं को स्थिर करियर का अवसर भी मिलेगा। यह पहल समाज में सेवा और संवेदनशीलता का नया उदाहरण बन सकती है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

हाइड्रा चालक की लापरवाही से गिरा जाल

ठेकेदार की दर्दनाक मौत

यूनिक समय मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में जयगुरुदेव आश्रम के समीप यूनिपोल टावर लगाने वाले ठेकेदार के मना करने पर हाइड्रा चलाने वाले ड्राइवर ने जाल को खींच दिया। जाल ठेकेदार की गर्दन पर गिरा जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद चालक हाइड्रा को लेकर भाग गया। आरोप है इसके बाद से उसका फोन बंद आ रहा है।

कबीर टोला चंदा जिला मध्यपुर बिहार निवासी युवक इमरोज (35) हाईवे आदि पर यूनिपोल लगाने का ठेका लेता था। बताया गया है कि वह करीब

चालक हाइड्रा लेकर भागा, मोबाइल स्विच भी किया ऑफ

आठ साल से ठेकेदारी कर रहा था। बीती रात जयगुरुदेव आश्रम के समीप एक यूनिपोल को लगाने के लिए ठेकेदार इमरोज अपने भांजे तौफीक से साथ दो अन्य लोगों के साथ साइट पर काम कर रहा था। बीती रात करीब दो और ढाई बजे। इस काम के लिए ठेकेदार ने हाइड्रा भी किराए पर लिया था। तौफीक ने बताया कि हाइड्रा चलाने वाले चालक ने फोन को कान पर लगा रखा था। नीचे खड़े इमरोज ने हाइड्रा के चालक को ऊपर लगे जाल को खींचने से मना किया। उसके मना करने के बाद भी चालक ने सुना नहीं और तेजी से ऊपर लगे जाल को खींच दिया। लोहे का भारी जाल नीचे खड़े इमरोज पर गिर गया। भारी जाल के गिरने से उसकी कर्दन बुरी तरह से जख्मी हो गई। इसके साथ ही उसके सिर में भी गंभीर चोट लगी। तौफीक और वहां काम करने वाले लोगों ने जब यह देखा तो उन्होंने तुरंत घायलावस्था में पड़े ठेकेदार को उठा कर अस्पताल ले गए। अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हाईवे पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तौफीक का कहना है कि दुर्घटना के बाद चालक हाइड्रा लेकर वहां से भाग गया। इसके साथ ही उसने अपना फोन भी बंद कर लिया है। ठेकेदार के दो बेटे हैं बड़े की आयु पांच और छोटे की चार साल है।

एससी-एसटी आयोग के सदस्य ने किया वृद्धाश्रम का औचक निरीक्षण

व्यवस्थाओं से संतुष्ट दिखे उमेश कठेरिया

भोजन की गुणवत्ता की सराहना की

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के आवासीय वृद्धाश्रम में एससी-एसटी आयोग के सदस्य उमेश कठेरिया ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां रह रहे वृद्धजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और आश्रम में मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

एससी-एसटी आयोग सदस्य उमेश कठेरिया टीम के साथ वृद्धाश्रम का निरीक्षक करते हुए।

वृद्धजनों ने बातचीत के दौरान बताया कि उन्हें समय पर भोजन और आवश्यक सुविधाएं मिल रही हैं। इस पर सदस्य ने संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान कठेरिया ने स्वयं आश्रम में परोसे जा रहे भोजन का स्वाद लिया।

उनके साथ आई टीम ने भी भोजन किया और उसकी गुणवत्ता की सराहना की। भोजन से संतुष्ट होकर उन्होंने रसोइयों की प्रशंसा की और उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप इनाम भी दिया। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों के लिए पौष्टिक और साफ-सुथरा भोजन बेहद जरूरी है, इसलिए इस व्यवस्था को लगातार बनाए रखा जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने आश्रम में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों से कहा कि परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित रखना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है, ताकि वृद्धजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि वे समय-समय पर व्यवस्थाओं की समीक्षा करते रहें और जरूरत पड़ने पर सुधार करते रहें।

दुर्घटना में टैंकर चालक की मौत

यूनिक समय मथुरा। थाना यमुनापार क्षेत्र में जयपुर-बरेली हाईवे पर पेट्रोल भरने के लिए रिफाइनरी आने वाला टैंकर किसी वाहन से टकरा गया। दुर्घटना में टैंकर चालक की मौत हो गई। पुलिस ने दुर्घटना की सूचना चालक के परिवार को दी। गांव पारपा थाना शकूरपुर जिला हापुड़ निवासी भूपेंद्र शर्मा पेट्रोल का टैंकर चलाता था। टैंकर में वह मथुरा रिफाइनरी से पेट्रोल भर कर सिकंदराबाद ले जाते थे। बताया गया कि कल सायं रिफाइनरी के लिए आने के दौरान बरेली जयपुर हाईवे पर थाना यमुनापार इलाके में उनका टैंकर किसी वाहन से टकरा गया। दुर्घटना में भूपेंद्र सिंह की मौत हो गई।

चालक के पास से मिले कागजात के आधार पर एनएचआई ने टैंकर मालिक को दुर्घटना के बारे में सूचना दी। टैंकर मालिक ने भूपेंद्र के परिवार को इस दुखद घटना के बारे में बताया। चालक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। परिवार के लोग चालक के शव को लेने के लिए पोस्टमार्टम हाउस पर आए। चालक के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिवार के लोग उसे हापुड़ ले गए।

दलितों की जमीन पर दबंगों ने कर लिया कब्जा

यूनिक समय, शेरगढ़। ग्राम ग्राम ओवा से 200 मीटर की दूरी पर स्थित दाऊजी महाराज मंदिर के महंत बाबा श्याम दास के गुर्गों पर दलित वर्ग के लोगों ने अवैध रूप से जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही दलित वर्ग के लोगों ने प्रशासन से उक्त जमीन को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है। गांव के दलित केवल सिंह, सुरेश चंद्र ने आरोप लगाया है कि मंदिर के महंत के लोगों ने दबंगई के बल पर उनकी मंदिर के पीछे वाली जमीन पर कब्जा कर लिया है। जमीन पर किए गए अवैध कब्जे को खाली कराने के लिए दलित परिवार के लोग उच्च अधिकारियों के पास जाकर शिकायत की है। चक्कर लगाने के बाद अधिकारियों से केवल आश्वासन के अलावा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। दलित वर्ग के लोगों ने बताया कि आज मौके पर लेखपाल जमीन की नापतोल करने पहुंचे और आश्वासन दिया कि वह अधिकारियों को इसके बारे में अवगत कराएंगे। वहीं दलितों का कहना है कि इस प्रकार से तो

जमीन कब्जा मुक्त कराने को अधिकारियों के काट रहे हैं चक्कर

लेखपाल ने अधिकारियों को अवगत कराने का दिया आश्वासन

दलित परिवार घर से बेघर हो जाएंगे। मौके पर पहुंचे पत्रकार को स्थानीय लोगों ने बताया कि इन लोगों की पहले यहां जमीन हुआ करती थी और तहसील के रिकार्ड में आज भी जमीन है उनके नाम है। जमीन पर ये लोग पहले से खेती कर रहे हैं। अब कुछ दबंगों ने बाबा को भड़का कर दलित परिवारों की जमीन पर कब्जा करवा दिया है। दलितों ने बताया कि हम सिर्फ शासन प्रशासन से यही मांग करते हैं कि हमारे अंदर लड़ने की क्षमता तो है नहीं, इन लोगों से हमारी जमीन खाली कराकर वापस दिला दी जाए, जिससे वह अपने परिवार का लालन-पालन कर सकें।

एसएसपी ने एक बार फिर किए आठ स्थानांतरण

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी ने एक बार फिर थाना और चौकी प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में परिवर्तन किया है। इस बार चौकी इचार्ज कृष्णानगर को चार्ज से हटाकर वरिष्ठ निरीक्षक थाना जैंत भेजा है। वहीं उप निरीक्षक नौहझील का चार्ज बरकरार रखा है। इस तरह बीती देर रात आठ थाना चौकी प्रभारियों के स्थानांतरण किए हैं। एसएसपी श्लोक कुमार ने बुधवार की देर रात पुलिस विभाग में एकबार फिर फेर बदल किया है। प्रभारी निरीक्षक छाता कमलेश सिंह को प्रभारी निरीक्षक कोसीकलां, प्रभारी निरीक्ष जैंत उमेशचंद त्रिपाठी को थाना प्रभारी निरीक्षक छाता, निरीक्षक जगदम्बा सिंह को मॉनीटरिंग सेल प्रभारी से प्रभारी निरीक्षक नौहझील,

कोसी, छाता, जैंत, नौहझील व चौकी कृष्णा नगर को बदला

निरीक्षक अरविंद निरवाल को पुलिस लाइन से प्रभारी मॉनीटरिंग सेल, उप निरीक्षक सोनू कुमार को थाना प्रभारी नौहझील से थाना प्रभारी जैंत, निरीक्षक प्रमोद कुमार अतिरिक्त निरीक्षक अपराध जैंत से अतिरिक्त निरीक्षक अपराध द्वितीय थाना वृंदावन, निरीक्षक विवेक कुमार अतिरिक्त निरीक्ष जैंत, उप निरीक्षक संजीव कुमार को थाना जैंत से चौकी प्रभारी कृष्णानगर कोतवाली, यहां के चौकी इंचार्ज विपिन तोमर को एसएसआई जैंत बनाया गया है।

बाटी गांव में जमीनी विवाद को लेकर मारपीट, चार पर मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, चौमुहाँ। थाना क्षेत्र जैंत के गांव बाटी में जमीनी विवाद को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। ओमप्रकाश यादव ने आरोप लगाया कि शिशुपाल, बृजकिशोर, हरवीर उर्फ बबलू, अमन और अर्पित ने गाली-गलौज के बाद लाठी-डंडों से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। सिर में गंभीर चोटें आईं और जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हादसा: कार-ट्रक की टक्कर में तीन लोग घायल

यूनिक समय, मथुरा। थाना नौहझील क्षेत्र स्थित यमुना एक्सप्रेसवे पर देर रात हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए। बीती रात एक बजे के करीब आगरा से नोएडा जा रही कार एक ट्रक से टकरा गई। यमुना एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन संख्या 61 पर हुई दुर्घटना की सूचना पीआरवी 1877 को मिली। सूचना के आधार पर उप निरीक्षक हरेंद्र सिंह तोमर और उप निरीक्षक सुभाष चंद्र टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। कार में फंसे घायलों को बाहर निकलवाया और एम्बुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील भिजवाया। घायलों में नोएडा सेक्टर-77 निवासी गौरव चतुर्वेदी (42), उनकी पत्नी दीपा चतुर्वेदी (32) और 13 वर्षीय बेटी वर्निका शामिल हैं। तीनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे में क्षतिग्रस्त हुई कार को पुलिस नें क्रेन की मदद से हटाकर बाजना कट चौकी यार्ड में खड़ा करा दिया है। दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए एक्सप्रेसवे पर बाधित रहे यातायात को पुलिस ने चालू करा दिया है।

आंधी और बूंदाबांदी से गिरा दिन का तापमान

कई दिन तक राहत देगा मौसम

यूनिक समय, फरह/मथुरा। तीन लोक से न्यारी कान्हा की नगरी में आज शाम को बादलों ने आसमान में डेरा जमा लिया। फिर क्या सायं ढलने से पहले से जिले के अधिकांश क्षेत्रों में अंधेरा छा गया। देखते ही देखते झमाझम बारिश होने लगी। बरसाना क्षेत्र में ओले गिरे। एनएच और यमुना एक्सप्रेस वे पर चलने वाले वाहनों के पहियों की रफ्तार कम हो गई।

लाइट जलाकर आगे बढ़े। जिले के कई स्थानों पर आंधी चलने पेड़ धराशायी हो गई। विद्युत आपूर्ति गुप हो गई। इस बीच झमाझम बारिश होने लोगों के कदम जहां के तहां रूक गए। बाजारों में अफरा तफरी सी मच गई। मथुरा, वृंदावन, कोसीकलां और बरसाना समेत कई और इलाकों में बारिश होने की खबर है। तेज बारिश होने से नालियों का गंदा पानी सड़कों पर उबल पड़ा। ग्रामीण क्षेत्र के किसान बारिश को लेकर काफी चिंतित दिखाई दे रहे हैं। वह मौसम को समझ नहीं पा रहे हैं। वहीं, शाम होने से पहले आसमान पर काले बादल छा गए। आसमान से कुछ बूंदें भी बरसीं। ऐसे मौसम से गर्मी से परेशान लोगों को बड़ी राहत मिली। सुबह से शाम तक बेहतर बने मौसम की वजह से अधिकतम तापमान में भी काफी गिरावट दर्ज की गई है। तीन दिन पहले 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास नजर आने वाला तापमान आज 38 डिग्री सेल्सियस पर आकर टिक गया।

मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, आगामी दिनों में बादल छाए रहने और बूंदाबांदी होने की संभावना है। आकाशीय चमक–गरज के साथ बूंदाबांदी हो सकती है।

गुरुवार दोपहर आसमान पर छाए काले बादल।

जिले के कई क्षेत्रों में झमाझम बरसे बादल ओले भी गिरे

छाता में आंधी का कहर, गोवर्धन चौराहा का गिरा विशाल साइन बोर्ड

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। आज शाम आई भीषण तेज आंधी बारिश ने जमकर तांडव मचाया। आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि छाता के गोवर्धन चौराहे पर लगा एक विशालकाय ग्रे रंग का जर्जर साइन बोर्ड उखड़कर सड़क पर आ गिरा। इस हादसे के दौरान वहां से गुजर रहे ईको सवार राहगीर बाल–बाल बच गए, जिससे एक बड़ा हादसा होते–होते टल गया। प्रशासन ने मौके पर क्रेन बुलवाकर यातायात को सुचारू कराया।

मथुरा–वृंदावन को नंबर–1 बनाने का मौका, फीडबैक देना शुरू

यूनिक समय, मथुरा। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत नगर निगम मथुरा–वृंदावन ने लोगों से फीडबैक लेना शुरू कर दिया है।

शहर की सफाई और रैंकिंग तय करने में आम जनता की राय बहुत जरूरी होती है। नगर निगम ने कहा है कि आपका छोटा सा सहयोग मथुरा–वृंदावन को देश का सबसे साफ शहर बना सकता है। फीडबैक देना बहुत आसान है और इसमें सिर्फ 2-3 मिनट लगते हैं। फीडबैक देने के लिए स्वच्छ सर्वेक्षण की वेबसाइट पर जाएं और अपना मोबाइल नंबर डालें। फिर भाषा चुनें और राज्य, जिला मथुरा व शहर मथुरा–वृंदावन चुनकर आगे बढ़ें। इसके बाद 13 आसान सवालों के जवाब दें। अंत में मोबाइल पर आए ओटीपी को डालकर ओके कर दें। नगर निगम ने सभी लोगों से कहा है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में फीडबैक दें। स्वच्छता हम सबकी जिम्मेदारी है। मिलकर ही हम अपने शहर को साफ, सुंदर और देश में अव्वल बना सकते हैं।

नगर निगम की अपील–सिर्फ 2–3 मिनट में दें अपनी राय, शहर की रैंकिंग में होगा सुधार

नवागत खंड विकास अधिकारी प्रशांत कुमार झा ने संभाला कार्यभार

यूनिक समय, फरह। गुरुवार को नवागत खंड विकास अधिकारी प्रशांत कुमार झा ने ब्लॉक कार्यालय में कार्यभार संभाला। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों और बेसहारा गोवंश को प्राथमिकता देने की बात कही।

नवागत खंड विकास अधिकारी फरह प्रशांत कुमार झा

दोपहर में खंड विकास अधिकारी पद का दायित्व संभालने के बाद उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता में शामिल विकास कार्यों को वरीयता देंगे, पात्र और गरीबों को इसका लाभ दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि अधूरे प्रधानमंत्री आवासों को पूरा करने के लिए वह तेजी से जुटेंगे। लखपति दीदी के लक्ष्य को भी पूरा किया जाएगा। ग्रामीणों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराया जाएगा। नवागत खंड विकास अधिकारी प्रशांत कुमार झा ने कहा कि वह बेसहारा गोवंश के भरण पोषण को तत्पर रहेंगे। हरे चारे की बोआई का काम तेजी से कराया जाएगा। बेसरा गोवंश को पूरी तरह सहारा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता में शामिल कामों को भी

बीडीओ मुकेश कुमार की नई तैनाती नंदगांव, प्रशांत कुमार झा का तबादला फरह

विकास कार्य और बेसहारा गोवंश को मिलेगी प्राथमिकता

वह वरीयता देंगे और समय से लक्ष्य हासिल करने पर जोर दिया जाएगा। इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत अधिकारियों की बैठक लेते हुए उन्होंने विकास से जुड़े सभी कामों को प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने कहा कि वह काम में विश्वास रखते हैं, इसलिए सभी सहयोग करें। इस दौरान सहायक विकास अधिकारी पंचायत थान सिंह, वरिष्ठ लिपिक अब्दुल हमीद और ब्लॉक के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे ने बताया कि मथुरा में नए बीडीओ मुकेश कुमार को जिलाधिकारी सीपी सिंह के अनुमोदन उपरांत नंदगांव ब्लॉक में तैनात किया गया है और नंदगांव में तैनात बीडीओ प्रशांत कुमार झा को फरह ब्लॉक हस्तानांतरित किया गया है।

ईमानदारी दिवस पर ब्रज का संदेश बदलाव भीतर से शुरू होता है

समाज और प्रशासन के लिए आत्ममंथन का अवसर

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय ईमानदारी दिवस पर वृन्दावन की पावन धरती से एक ऐसा संदेश उभरा, जिसने केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को आत्ममंथन के लिए प्रेरित किया। आज का यह दिन केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि अपने भीतर झांकने और जीवन में सत्य को अपनाने का अवसर बनकर सामने आया। ब्रज के संत कहते हैं कि ईमानदारी किसी शपथ या आयोजन की मोहताज नहीं होती, बल्कि यह व्यक्ति के दैनिक व्यवहार में झलकनी चाहिए। बांके बिहारी मंदिर की नगरी में तमाम अफसर, नेता और राजनेता दर्शन के लिए आते हैं पर सवाल यह है कि संतों की सीख को कितने अफसर, नेता और राजनेताओं ने आचरण में उतारा और अमल किया? जब तक व्यक्ति अपने भीतर के दोषों को पहचानकर उन्हें सुधारने का प्रयास नहीं करता तब तक बाहरी प्रयास अधूरे रह जाते हैं।

ब्रज की परंपरा सदियों से यह सिखाती आई है कि सच्चा परिवर्तन भीतर से शुरू होता है। यदि हर व्यक्ति–चाहे वह अधिकारी हो, कर्मचारी हो या आम नागरिक–अपने कर्तव्यों में पारदर्शिता और निष्ठा को अपनाए, तो व्यवस्था में स्वतः सुधार आने लगता है। ईमानदारी दिवस जैसे अवसर समाज और प्रशासन के बीच विश्वास को मजबूत करने का माध्यम बन सकते हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि छोटे–छोटे सकारात्मक बदलाव भी बड़े परिवर्तन की नींव बनते हैं। ईमानदारी को केवल एक दिन तक सीमित न रखकर, इसे जीवन का हिस्सा बनाया जाए। जब व्यक्ति अपने कार्यों के प्रति जवाबदेह होता है, तो समाज में विश्वास, पारदर्शिता और सहयोग की भावना मजबूत होती है। मथुरा वृन्दावन से उठी यह प्रेरणा केवल एक संदेश नहीं, बल्कि एक दिशा है–जहां ईमानदारी कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन का स्वभाव बन जाए।

शपथ से आगे बढ़कर आचरण तक जब भीतर बदलेगा मन, तभी बदलेगी व्यवस्था

औपचारिकता से आगे बढ़कर व्यवहारिक परिवर्तन पर जोर

चिंता

फीस की मार से बेहाल अभिभावक

तीन साल में 30% से 80% तक बढ़ी फीस

यूनिक समय, मथुरा। निजी स्कूलों की बढ़ती फीस अब देशभर के साथ–साथ मथुरा के अभिभावकों के लिए भी बड़ी चिंता का विषय बनती जा रही है। हाल ही में हुए एक सर्वे के मुताबिक, पिछले तीन वर्षों (2023–2026) में करीब 70% अभिभावकों ने बताया कि स्कूल फीस में 30% से 80% तक की बढ़ोतरी हुई है।

सर्वे देश के 271 जिलों में किया गया, जिसमें 47 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। इसमें 62% पुरुष और 38% महिलाएं शामिल रहीं। रिपोर्ट के अनुसार, 37% अभिभावकों ने कहा कि उनके बच्चों की फीस में 30% से 50% तक बढ़ोतरी हुई, जो सबसे आम स्थिति रही। वहीं 11% अभिभावकों को 80% से ज्यादा फीस वृद्धि का सामना करना पड़ा।

मथुरा में भी यही हाल देखने को मिल रहा है। शहर के कई निजी स्कूलों में फीस, वार्षिक शुल्क और अन्य खर्चों में लगातार इजाफा हो रहा है, जिससे मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों का बजट बिगड़ रहा है। कई अभिभावकों का कहना है कि बच्चों की पढ़ाई अब धीरे–धीरे उनकी पहुंच से बाहर होती जा रही है।

सर्वे में 90% अभिभावकों ने माना कि राज्य सरकारें फीस को नियंत्रित करने में प्रभावी साबित नहीं हो रही हैं। वहीं 41% लोगों का कहना है कि सरकारें केवल आश्वासन देती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। 51% अभिभावकों का आरोप है कि इस गंभीर मुद्दे को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं दी जा रही।

कई मामलों में स्कूलों पर नियम–कानून दरकिनार कर अतिरिक्त शुल्क वसूलने के आरोप भी लगे हैं। दिल्ली और नोएडा जैसे शहरों में इसको लेकर विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं, जिसका असर अब छोटे शहरों तक महसूस किया जा रहा है।

मध्यम वर्ग पर सबसे ज्यादा असर

अभिभावकों की बढ़ी परेशानी

नियमन और पारदर्शिता की मांग तेज

विशेषज्ञों का मानना है कि फीस निर्धारण में पारदर्शिता की कमी सबसे बड़ी समस्या है। अभिभावक चाहते हैं कि सरकार सख्त नियम लागू करे और स्कूलों की फीस संरचना पर निगरानी बढ़ाए।

मथुरा में भी अब अभिभावक एकजुट होकर इस मुद्दे पर आवाज उठाने लगे हैं। अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में शिक्षा आम परिवारों के लिए और मुश्किल हो सकती है।

नर्सिंग होम सोसायटी का चुनाव सम्पन्न

अध्यक्ष बने डॉ. गुलशन कुमार सचिव बनीं डॉ. वर्षा तिवारी

नर्सिंग होम सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. गुलशन कुमार, सचिव डॉ. वर्षा तिवारी।

यूनिक समय, मथुरा। नर्सिंग होम सोसायटी का चुनाव स्थानीय एक होटल में हुआ, जिसमें आशीर्वाद हॉस्पिटल के डायरेक्टर एवं वरिष्ठ सर्जन डॉ. गुलशन कुमार को अध्यक्ष एवं बीएल तिवारी मेमोरियल अस्पताल की संचालक एवं वरिष्ठ स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. वर्षा तिवारी को सचिव और डॉ. अंशुल गुप्ता को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही प्रेसीडेंट डॉ. संजय गुप्ता, वाइस प्रेसीडेंट डॉ. अनिल चौहान, जॉइंट सेक्रेटरी डॉ. नीता जैन और डॉ. भावना गुप्ता, साइंटिफिक सेक्रेटरी डॉ. शिखा गुप्ता, कल्चरल सेक्रेटरी डॉ. भावना शर्मा और डॉ. अनु गोयल, एडवायजरी डॉ. अशोक अग्रवाल, डॉ. मनोज गुप्ता, डॉ. बीके अग्रवाल चुने गये। इस इलेक्शन के अवसर पर पूर्व अध्यक्ष डॉ. एसबी अग्रवाल, पूर्व सचिव डॉ. ज्योति, डॉ. डीपी गोयल, डॉ. (प्रो.) बृजेन्द्र कुमार तिवारी, डॉ. एसके वर्मन, डॉ. एसके जैन, डॉ. अंशुल गोयल, डॉ. प्रकाश अग्रवाल, डॉ. योगेश अग्रवाल, डॉ. आरके गुप्ता, डॉ. आरके चतुर्वेदी, डॉ. मुकेश जैन, डॉ. आदेश, डॉ. लता अग्रवाल, डॉ. दीपशिखा इंजिनियर, डॉ. राकेश मेहता, डॉ. अवधेश अग्रवाल, डॉ. ललित वार्ष्णेय, डॉ. भारती, डॉ. नितिन गोयल, डॉ. बीपी माहेश्वरी, डॉ. अनुपम, डॉ. अल्पना, डॉ. नीरजा, डॉ. शशांक माहेश्वरी, डॉ. प्रेरणा आदि वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे।

जीएलए फार्मेसी छात्रों को फार्मा एक्सपर्ट्स से मिला इंडस्ट्री का रियल अनुभव

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल रिसर्च द्वारा स्नातक एवं परास्नातक फार्मेसी विद्यार्थियों के लिए एक अत्यंत उपयोगी एवं उद्योग उन्मुख अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को औषधि उद्योग की वास्तविक कार्यप्रणालियों, आधुनिक तकनीकों एवं नियामकीय प्रक्रियाओं की गहन जानकारी प्रदान करना था।

जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा के फार्मेसी विभाग में अतिथि व्याख्यान के दौरान छात्रों के साथ इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स। साथ हैं विभाग के पदाधिकारी।

इस अवसर पर सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, गुरुग्राम में सह–उपाध्यक्ष (विश्लेषणात्मक विकास विभाग) डॉ. आशुतोष शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने एपीआई से एएनडीए जेनरिक औषधि उद्योग में विश्लेषणात्मक विज्ञान विषय पर विस्तृत व्याख्यान देते हुए जेनरिक औषधि उद्योग की कार्यप्रणाली को सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया। उन्होंने विभिन्न प्रकार की नियामकीय प्रस्तुतियों विश्लेषणात्मक रणनीतियों, गुणवत्ता नियंत्रण, जैव–समानता, विलयन अध्ययन तथा वास्तविक अध्ययन–प्रकरणों के माध्यम से उद्योग की जटिलताओं और चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि विश्लेषणात्मक सोच, समस्या समाधान क्षमता और शोध उन्मुख दृष्टिकोण अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, गुरुग्राम में अनुसंधान प्रबंधक भारत गुप्ता ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए एक सहभागितापूर्ण प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया, जिससे पूरे सत्र में उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ। इस गतिविधि ने न केवल विद्यार्थियों की समझ को परखा, बल्कि उन्हें सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित भी किया।

कार्यक्रम के दौरान दोनों वक्ताओं ने विद्यार्थियों में अनुसंधान के प्रति रुचि विकसित करने, नवीन तकनीकों को अपनाने तथा औद्योगिक मानकों के अनुरूप स्वयं को तैयार करने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के संवाद विद्यार्थियों को न केवल ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें अपने करियर के प्रति स्पष्ट दिशा भी देते हैं।

इस अवसर पर विभाग के निदेशक डॉ. कमल शाह ने आयोजन टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए अतिथि वक्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के उद्योग–शैक्षणिक संवाद संस्थान की उस प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जिसके माध्यम से छात्रों को अकादमिक ज्ञान के साथ–साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। विभाग एसोसिएट प्रो. नीतू अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

जीएलए के बायोटेक छात्रों ने सीखीं आधुनिक तकनीकें

जीएलए विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के बीएससी बायोटेक प्री–फाइनल वर्ष के विद्यार्थियों ने प्रोबायोटिक उत्पाद बनाने वाली अंतरराष्ट्रीय कंपनी याकुल्ट दानोन, सोनीपत का शैक्षिक भ्रमण किया। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और व्यावहारिक अनुभव से भरपूर रहा, जहां उन्होंने उद्योग में उपयोग होने वाली अत्याधुनिक तकनीकों और प्रक्रियाओं को नजदीक से समझा। इस अवसर पर कंपनी के पदाधिकारी शगुन राणा ने विद्यार्थियों को याकुल्ट निर्माण में प्रयुक्त आधुनिक संयंत्रों, गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली तथा उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार उच्च स्तरीय स्वच्छता और वैज्ञानिक मानकों का पालन करते हुए प्रोबायोटिक उत्पाद तैयार किए जाते हैं। विद्यार्थियों ने उत्पादन इकाई का अवलोकन करते हुए विभिन्न चरणों को समझा और अपने विषय से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न भी पूछे।विभागाध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह ने इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि ऐसे इंडस्ट्रियल विजिट से छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के साथ जैव प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षक डॉ. ऋषिकेश शुक्ला एवं डॉ. खुशबू दसौनी ने मार्गदर्शन प्रदान किया।

सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

आईसीएसई के छात्रों ने लहराया परचम

अविश अग्रवाल को माता व पिता कविता अग्रवाल व दीपक अग्रवाल मिठाई खिलाते हुए।

वहीं ऋतुशा ने बोर्ड परीक्षा में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, अपनी कोचिंग के शिक्षक प्रद्युम्न गौतम को दिया है।

यूनिक समय, मथुरा। सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल मथुरा के छात्रों ने शैक्षिक सत्र 2025–26 के आईसीएसई कक्षा 10 परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। घोषित परिणामों में कई विद्यार्थियों ने उच्च अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत और लगन का परिचय दिया है। विद्यालय के होनहार छात्र अविश अग्रवाल ने 96%, प्रतीक चौधरी 96%,और दिशिता त्रिपाठी ने 96 प्रतिशत अंक हासिल कर स्थान प्राप्त किया। वहीं श्रेयश गुप्ता ने 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए वहीं दिव्यांशु गुप्ता ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। छात्रों की इस सफलता पर विद्यालय प्रबंधन, प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रेस कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने सत्र 2025–26 की आईसीएसई (कक्षा 10) और आईएससी (कक्षा 12) बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर अपनी शैक्षणिक श्रेष्ठता साबित की है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर न केवल अपने अभिभावकों का, बल्कि पूरे मथुरा जिले का नाम रोशन किया है।

ग्रेस कॉन्वेंट स्कूल के छात्रों ने रचा इतिहास

कक्षा 12 (विज्ञान वर्ग) में अंशुल भार्गव ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। आरुषि गर्ग ने 95.75 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रिया पटेल और जतिन अग्रवाल ने समान रूप से 94.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान साझा किया। भूमिका अग्रवाल ने 94.25 प्रतिशत अंक के साथ चतुर्थ स्थान प्राप्त किया, जबकि राघव शर्मा ने 92.75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पंचम स्थान हासिल किया।

कक्षा 12 (कॉमर्स वर्ग) में आदित्य गोस्वामी ने 88.75 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। आदित्य कुमार ने 88.25 प्रतिशत तथा हार्दिक मंग्लानी ने 87 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा 10 के परिणाम भी अत्यंत सराहनीय रहे। हर्ष पचौरी ने 96 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। युगप्रताप और अंकिता सिंह ने 94–94 प्रतिशत अंक के साथ संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान हासिल किया। अनुज सिंह ने 93.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान पाया। देव यादव ने 92.8 प्रतिशत अंक के साथ चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। आर्यन सिंह और समीर सिंह ने 91.8–91.8 प्रतिशत अंक के साथ पंचम और षष्ठ स्थान साझा किया। भारत कुमार ने 91.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि खुशी खंडेलवाल ने 90.4 प्रतिशत और अनुज भार्गव ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया।

विद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। यह परिणाम विद्यालय की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा व्यवस्था और छात्रों की मेहनत का प्रतीक है।

प्राथमिक विद्यालय राया में बच्चों ने किया पौधरोपण

प्राथमिक विद्यालय राया में बच्चों ने पौधे लगाकर लिया पर्यावरण बचाने का संकल्प।

यूनिक समय, मथुरा। प्राथमिक विद्यालय राया में बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे उत्साह के साथ पौधरोपण किया। कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों को मिट्टी और खाद मिलाकर गमलों के लिए तैयार करना सिखाया गया। बच्चों ने खुद अपने हाथों से मिट्टी तैयार की और फिर अलग–अलग गमलों में पौधे लगाए। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका पूजा चौधरी ने बताया कि इस तरह की गतिविधियों से बच्चों में प्रकृति के प्रति लगाव बढ़ता है। उन्होंने कहा कि पेड़ हमारे जीवन के लिए बहुत जरूरी हैं। ये हमें छाया, फल और सबसे जरूरी ऑक्सीजन देते हैं। इसलिए सभी को पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने की आदत डालनी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने यह संकल्प लिया कि वे लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करेंगे और उन्हें बड़ा करेंगे।

बच्चों को पौध रोपण करना सिखाया

राजीव एकेडमी के बीबीए छात्र–छात्राओं ने दी सीनियर्स को विदाई

यादों की महफिल में रही सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की धूम

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थान राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट में बीबीए के छात्र–छात्राओं ने अपने सीनियर साथियों के लिए बुधवार की शाम एक भव्य विदाई समारोह "यादों की महफिल" का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान सीनियर छात्र–छात्राओं ने अपने कॉलेज जीवन के सुनहरे पलों को याद किया तो जूनियर्स ने सीनियर्स के लिए भावनात्मक प्रस्तुतियां पेश कीं। फेयरवेल पार्टी का शुभारम्भ स्वागत सम्बोधन के साथ हुआ। इसके बाद उत्साह और उमंग के बीच छात्र–छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सीनियर छात्रा सृष्टि सिंह ने सुमधुर गीत प्रस्तुत कर सभी की वाहवाही लूटी। छात्र–छात्राओं ने डांस और रैम्प वॉक जैसी आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से यादों की महफिल में चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर टंग ट्विस्टर और पार्टनर पेपर फोल्ड गेम जैसे रोचक खेल भी आयोजित किए गए, जिनमें छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण "मिस्टर और मिस फेयरवेल" का चयन रहा। इस वर्ष मिस्टर फेयरवेल का खिताब गौरव नागर तथा मिस फेयरवेल का खिताब पूर्वा को प्रदान किया गया। साथ ही विभिन्न विशेष उपाधियां भी प्रदान की गईं। पवित्रा तिवारी को "मिस टॉपर", शिवानी गौतम को "मिस डांसर", निशांत शर्मा को "मिमिक्री आर्टिस्ट", राघव सिकरवार को "द स्पिरिचुअल सीकर" और प्रशांत गौतम को "मिस्टर किशोर कुमार सॉन्ग" की उपाधि दी गई। अन्य विद्यार्थियों को भी विभिन्न आकर्षक खिताबों से नवाजा गया। बीबीए विभागाध्यक्ष मोहम्मद जाहिद ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और आपसी सम्बन्धों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि फेयरवेल केवल विदाई नहीं बल्कि प्रोफेशनल जीवन में नई शुरुआत का प्रतीक है। संस्थान के अध्यक्ष डॉ. राम किशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल तथा मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज अग्रवाल ने आयोजन की प्रशंसा की। डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि विद्यार्थी जीवन के ये पल सदैव यादगार रहते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में जूनियर्स ने अपने सीनियर्स के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। सीनियर्स छात्र–छात्राओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए संस्थान और जूनियर्स के प्रति आभार व्यक्त किया। कॉलेज प्रशासन ने विदा लेने वाले छात्र–छात्राओं को उनके आगामी जीवन और करियर के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्राध्यापकों के साथ मिस–मिस्टर फेयरवेल, फेयरवेल पार्टी का जश्न मनाते छात्र–छात्राएं।

पूर्वा और गौरव नागर को मिला मिस–मिस्टर फेयरवेल का खिताब

विटामिन डी की कमी से कौन सा अंग सबसे ज्यादा प्रभावित होता है?

यूनिक समय, मथुरा। विटामिन डी आपके शरीर के लिए एक बेहद जरूरी तत्व है। क्या आप जानते हैं कि विटामिन डी की कमी की वजह से आपके शरीर के किस अंग पर सबसे ज्यादा बुरा असर पड़ता है?

अगर लंबे समय तक विटामिन डी की कमी को दूर न किया जाए, तो आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं की चपेट में आ सकते हैं। इस विटामिन की कमी से छुटकारा पाने के लिए आप विटामिन डी से भरपूर खाने–पीने की चीजों का सेवन कर सकते हैं या फिर धूप में थोड़ी देर बैठकर भी इस विटामिन डेफिशिएंसी को गुडबाय कहा जा सकता है। आइए जानते हैं कि विटामिन डी की कमी से आपके शरीर पर क्या–क्या असर पड़ सकता है।

बोन हेल्थ पर पड़ता है बुरा असरः विटामिन डी की कमी आपकी हड्डियों और मांसपेशियों पर नेगेटिव असर डाल

सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस विटामिन की कमी से आपको ऑस्टियोमलेशिया भी हो सकता है।

ऑस्टियोमलेशिया एक मेडिकल कंडीशन है जिसमें हड्डियां नरम और कमजोर हो जाती हैं। विटामिन डी की कमी की वजह से मांसपेशियों में कमजोरी महसूस होने लगती है जिसके कारण दर्द भी हो सकता है।

प्रभावित हो सकती है दिल की सेहतः अगर शरीर में विटामिन डी का स्तर ज्यादा कम हो जाता है, तो हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी साइलेंट किलर बीमारी होने की संभावना भी बढ़ सकती है।

यानी विटामिन डी की कमी दिल से जुड़ी खतरनाक और जानलेवा बीमारियों के खतरे को भी बढ़ा सकती है। हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाए रखने के लिए विटामिन डी की कमी को जल्द से जल्द दूर करना बेहद जरूरी है।

कमी को दूर करने के लिए क्या खाएं–पिएं : सिर्फ धूप में बैठने से विटामिन डी की कमी दूर हो जाए, ऐसा जरूरी नहीं है। इस विटामिन डेफिशिएंसी से छुटकारा पाने के लिए आपको अपने खान–पान में कुछ चीजों को शामिल करना चाहिए। दूध पीकर विटामिन डी की कमी को दूर किया जा सकता है। संतरे में भी विटामिन डी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। मशरूम और अंडे को सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम करके भी आपको इस विटामिन की कमी से छुटकारा मिल सकता है।

नौतपा के प्रकोप से बचने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

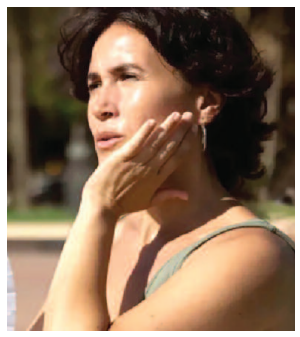

यूनिक समय, नई दिल्ली। नौतपा 25 मई से शुरू होकर 2 जून तक चलेगा। इन 9 दिनों में भीषण गर्मी पड़ने वाली है। ऐसे में अपनी सेहत का ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत है वरना आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं। आपको इन नौ दिनों में घर पर रहने की कोशिश करनी चाहिए। क्या आप भी गर्मी के भयंकर प्रकोप से बचना चाहते हैं? अगर हां, तो आज हम आपको कुछ ऐसी टिप्स के बारे में बताएंगे जिन्हें फॉलो कर आप भीषण गर्मी के साइड इफेक्ट्स से बच सकते हैं।

ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं : गर्मियों में हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर ज्यादा से ज्यादा पानी पीकर शरीर को हाइड्रेटेड रखने की सलाह देते हैं। अगर आपने नौतपा के दौरान इस टिप को फॉलो नहीं किया, तो आपको पछताना पड़ सकता है। भीषण गर्मी के प्रकोप से बचने के लिए थोड़ी–थोड़ी देर में पानी पीने की कोशिश करें। अगर आप इन दिनों में ट्रैवल करने वाले हैं, तो आपको अपने पास पानी की बॉटल जरूर रखनी चाहिए।

हेल्दी होना चाहिए खान–पान : आपको अपने डाइट प्लान में मौसमी फलों को जरूर शामिल करना चाहिए। नौतपा के दौरान आपको अपने खान–पान में ऐसी चीजों को ज्यादा से ज्यादा शामिल करने की

9 दिन रहने वाले हैं बेहद कठिन

कोशिश करनी चाहिए जिनके अंदर पानी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती हो। गर्मी के प्रकोप से बचने के लिए तरबूज, खरबूज, संतरा, अंगूर, अनानास और खीरे का सेवन किया जा सकता है।

डाइट में शामिल करें हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स : गर्मी के प्रकोप से बचने के लिए नारियल के पानी का सेवन किया जा सकता है। इसके अलावा सत्तू का शरबत पीकर भी आप अपनी बॉडी को अंदर से ठंडक पहुंचा सकते हैं। लस्सी, नींबू पानी, छाछ और बेल का शरबत, इस तरह की हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स को अपने डाइट प्लान में शामिल करने की वजह से आप भीषण गर्मी में भी तबीयत खराब होने के खतरे को कम कर सकते हैं।

स्वादिष्ट है झटपट बन जाने वाली ये हेल्दी रेसिपी

पराठा हुआ पुराना, अब बना लीजिए आलू वाला चीला!

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्या आपने कभी आलू का चीला बनाकर देखा है? अगर नहीं, तो आपको अपने ब्रेकफास्ट में एक बार इस हेल्दी और बेहद आसान रेसिपी को जरूर ट्राई करके देखना चाहिए।

आलू का पराठा तो सभी ने खाया होगा लेकिन आलू के चीले के बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे। अगर आपके पास भी सुबह–सुबह खाना बनाने के लिए ज्यादा समय नहीं होता है, तो आप ब्रेकफास्ट में आलू चीला बना सकते हैं। इस हेल्दी डिश को बनाने में न तो ज्यादा समय लगता है और न ही ज्यादा फैंसी सामग्री की जरूरत पड़ती है। कुछ स्टेप्स को फॉलो कर आप आसानी से इस डिश को बना सकते हैं।

बनाने की विधिः आलू का चीला बनाने के लिए सबसे पहले दो आलू को कुकर में डालकर बॉइल कर लीजिए। आलू के उबलने के बाद आप इन्हें छीलकर एक कटोरे में मैश कर लीजिए। मैश्ड आलू में एक कप बेसन, एक बारीक कटा हुआ प्याज, एक हरी मिर्च, फ्रेश हरा धनिया, एक–चौथाई स्पून हल्दी, हाफ स्पून मिर्च पाउडर और नमक एड कर सभी चीजों को अच्छी तरह से मिला लीजिए।आपको इस मिक्सचर में थोड़ा सा पानी एड कर एक घोल तैयार कर लेना है। ध्यान रहे कि मिक्सचर न तो ज्यादा पतला होना चाहिए और न ही बहुत ज्यादा गाढ़ा।

अब गैस पर एक तवा रखकर उसके ऊपर अच्छी तरह से तेल लगा लीजिए। इस तवे पर आलू के मिक्सचर को फैलाएं और फिर सेक लें। आपको आलू के चीले को दोनों तरफ से अच्छी तरह से सेक लेना है। आप आलू के चीले को गर्मागर्म सर्व कर सकते हैं। आप इस चीले को टोमैटो केचअप या फिर धनिए की चटनी के साथ खा सकते हैं। ब्रेकफास्ट के लिए ये रेसिपी एक हेल्दी ऑप्शन साबित हो सकती है। आलू के चीले को टेस्ट करने के बाद ये डिश आपकी फेवरेट बन सकती है।

ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक समृद्धि का केंद्र है कपूरथला शहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है।

कपूरथला, पंजाब राज्य का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है, जो अपनी भव्य वास्तुकला, शाही इतिहास और अद्भुत पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर न केवल पंजाब, बल्कि पूरे भारत में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। कपूरथला का सांस्कृतिक वैभव, ऐतिहासिक किले, महल और खूबसूरत बगीचे यहाँ आने वाले पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं। आइए जानते हैं कपूरथला के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

कपूरथला महल : कपूरथला का सबसे प्रमुख आकर्षण है कपूरथला महल, जिसे "पंजाबी वर्साय" के नाम से भी जाना जाता है। यह महल फ्रांसीसी वास्तुकला से प्रेरित है और इसकी भव्यता और आकर्षण पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। महल के अंदर शानदार कमरे, खूबसूरत गैलरी और विस्तृत बगीचे हैं। महल की संरचना और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसे कपूरथला का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती है। यहाँ का बगीचा और झील पर्यटकों को शांति और सौंदर्य का अनुभव कराते हैं।

शाही मस्जिद : कपूरथला में स्थित शाही मस्जिद एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। इस मस्जिद को कपूरथला के तत्कालीन शाही परिवार द्वारा बनवाया गया था। मस्जिद का शाही और भव्य रूप पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहाँ की आंतरिक सजावट और विस्तृत बगीचों में भ्रमण करते हुए लोग शांति का अनुभव करते हैं।

सुंदरबागः सुंदरबाग, कपूरथला का एक और प्रमुख आकर्षण है। यह बगीचा कपूरथला महल के पास स्थित है और इसकी सुंदरता पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती है। यहाँ की हरियाली, फूलों की सुगंध और शांत वातावरण आपको एक अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं। सुंदरबाग में घूमने से पर्यटकों को पंजाब की प्राकृतिक सुंदरता का अहसास होता है।

कपूरथला ज्यूडिशियल किला : कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है। किले के चारों ओर फैला हरित क्षेत्र और इसके प्राचीन कक्ष पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं।

गुलाबबागः कपूरथला का गुलाबबाग एक शानदार बगीचा है, जो विशेष रूप से अपनी गुलाब की झाड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ विभिन्न प्रकार के गुलाबों का संग्रह देखने को मिलता है, जो बाग को एक अद्वितीय सुंदरता प्रदान करते हैं। गुलाबबाग की सैर करते हुए पर्यटक गुलाबों की खूबसूरती और बाग के शांत वातावरण का आनंद लेते हैं। यह स्थान फूलों के शौकिनों के लिए आदर्श है।

चरणबीर बागः चरणबीर बाग कपूरथला का एक ऐतिहासिक बाग है, जो अपने अद्भुत सौंदर्य और शाही संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। इस बाग में कई आकर्षक फूल और पेड़–पौधे हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बाग में स्थित ऐतिहासिक स्मारक और शाही महल इस स्थान को और भी खास बनाते हैं। यहाँ घूमते हुए पर्यटक प्रकृति के साथ–साथ इतिहास की समृद्धि को भी महसूस कर सकते हैं।

फव्वाराः फव्वारा कपूरथला के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह एक खूबसूरत और आकर्षक फव्वारा है, जो शहर के बीच स्थित है। इसके आसपास का माहौल और पानी के बहाव का दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहाँ पर अक्सर लोग आराम करने के लिए आते हैं और शहर की हलचल से दूर शांति का अनुभव करते हैं।

शहीदी स्मारकः कपूरथला के शहीदी स्मारक में भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। यह स्मारक उन वीर शहीदों की याद में बनवाया गया था जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह स्थल इतिहास प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण और शिक्षाप्रद स्थल है।

कपूरथला एक ऐसा शहर है, जहाँ ऐतिहासिक धरोहर, शाही महल, धार्मिक स्थल और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत मिश्रण है। कपूरथला महल, शाही मस्जिद, सुंदरबाग और गुलाबबाग जैसे स्थल इस शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समृद्धि को दर्शाते हैं। यहाँ आने वाले पर्यटक न केवल पंजाब की लोक कला और संस्कृति से परिचित होते हैं, बल्कि वे यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर का भी आनंद लेते हैं। अगर आप इतिहास, वास्तुकला और प्रकृति प्रेमी हैं, तो कपूरथला की यात्रा आपके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हो सकती है।

सुविचार

"सीखना ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है।"

कल का पंचांग

तिथि	पूर्णिमा 09:12-10:52 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	स्वाति 02:16-04:35 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय	5:44 AM	चन्द्रोदय	06:43 PM
सूर्यास्त	6:48 PM	चंद्रास्त	05:37 AM
सूर्य राशि	मेष राशि	चंद्र	तुला राशि
शुभ मुहूर्त	11:50AM -12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:26-05:14
त्योहार/व्रत	पूर्णिमा	विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	10:38 PM: 12:16 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

वैशाख पूर्णिमा पर करें ये सरल उपाय,मिलेगा विशेष लाभ

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में वैशाख पूर्णिमा का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व माना जाता है। यह दिन भक्ति, स्नान, दान और पुण्य कार्यों के लिए अत्यंत शुभ होता है। मान्यता है कि इस दिन किए गए छोटे–छोटे उपाय भी जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। वर्ष 2026 में वैशाख पूर्णिमा 1 मई, शुक्रवार को मनाई जाएगी, क्योंकि उदया तिथि के अनुसार उसी दिन इसका व्रत और पूजन किया जाएगा। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार इस बार वैशाख पूर्णिमा और भी खास है, क्योंकि इस दिन सिद्धि योग और स्वाति नक्षत्र का संयोग बन रहा है। ऐसे में धार्मिक कार्यों का फल कई गुना बढ़ जाता है। विशेष रूप से दीपक से जुड़े कुछ उपाय इस दिन बेहद प्रभावी माने गए हैं, जो घर में सुख–समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा लाने में सहायक हो सकते हैं।

सबसे पहले, सुबह स्नान के बाद घर में स्थित तुलसी के पौधे को जल अर्पित करें। इसके बाद घी का दीपक जलाकर विधिपूर्वक पूजा करें। यह उपाय घर के वातावरण को शुद्ध करता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। मान्यता है कि इससे मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और आर्थिक उन्नति के रास्ते खुलते हैं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

इसके अलावा, वैशाख पूर्णिमा की रात घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाना भी अत्यंत शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इसी मार्ग से लक्ष्मी जी का प्रवेश होता है। यह उपाय चुपचाप और श्रद्धा भाव से करने पर विशेष फलदायी माना जाता है। इससे घर में धन–समृद्धि बढ़ती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। रसोईघर में दीपक जलाने की परंपरा भी इस दिन खास मानी जाती है। रसोई को घर की समृद्धि का केंद्र माना जाता है, इसलिए यहां दीप प्रज्वलित करने से मां अन्नपूर्णा का आशीर्वाद मिलता है। इससे घर में अन्न–धन की कमी नहीं रहती और परिवार में सुख–शांति बनी रहती है।

इसके अतिरिक्त, यदि संभव हो तो किसी पवित्र नदी या जल स्रोत में दीप प्रवाहित करना भी अत्यंत पुण्यदायक माना जाता है। यह उपाय मन की अशांति को दूर करता है और पितरों की कृपा प्राप्त करने में सहायक होता है। साथ ही, यह जीवन में सकारात्मकता और संतुलन लाने का प्रतीक भी है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वैशाख पूर्णिमा केवल पूजा–पाठ का दिन नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और जीवन में नई ऊर्जा भरने का अवसर भी है। इस दिन किए गए ये सरल उपाय न केवल आध्यात्मिक संतुलन प्रदान करते हैं, बल्कि व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि के द्वार भी खोल सकते हैं।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष राशि: कल का दिन ऊर्जा से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं, लेकिन जल्दबाजी से बचें। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी, पर अचानक खर्च संभव हैं। रिश्तों में संयम रखें। स्वास्थ्य में हल्की थकान हो सकती है।

वृषभ राशि: दिन शुभ और स्थिर रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में सुखद माहौल रहेगा। प्रेम जीवन मधुर रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन राशि: रचनात्मकता बढ़ेगी और नए विचार सफलता दिलाएंगे। करियर में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। प्रेम जीवन में उत्साह रहेगा। मानसिक रूप से सकारात्मक रहेंगे।

कर्क राशि: दिन थोड़ा भावनात्मक रहेगा। कार्यक्षेत्र में दबाव हो सकता है, लेकिन धैर्य से संभाल लेंगे। खर्च बढ़ सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। मानसिक शांति के लिए ध्यान करें।

सिंह राशि: आत्मविश्वास बढ़ेगा और सफलता मिलेगी। करियर में प्रगति के संकेत हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रेम जीवन खुशहाल रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या राशि: काम का दबाव रहेगा, लेकिन मेहनत रंग लाएगी। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के लिए संतुलन जरूरी है।

तुला राशि: दिन संतुलन और खुशी देगा। कार्यक्षेत्र में सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। रिश्तों में मधुरता आएगी। मानसिक शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक राशि: सतर्क रहने का दिन है। कार्यक्षेत्र में चुनौतियां आएंगी, लेकिन संभाल लेंगे। खर्चों पर नियंत्रण रखें। प्रेम जीवन में उतार–चढ़ाव संभव है।

धनु राशि: भाग्य का साथ मिलेगा। करियर में सफलता के योग हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार और प्रेम जीवन सुखद रहेगा।

मकर राशि: अनुशासन से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में सराहना मिलेगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी। परिवार के साथ संबंध मजबूत होंगे।

कुंभ राशि: नए अवसर मिलेंगे और योजनाएं सफल होंगी। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। रिश्तों में मधुरता आएगी। मानसिक शांति बनी रहेगी।

मीन राशि: आध्यात्मिक ऊर्जा बढ़ेगी। धीरे–धीरे सफलता मिलेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें। प्रेम और परिवार में भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा।

घर में जाले दिखें तो समझें सफाई की चेतावनी

यूनिक समय, मथुरा। गर्मी के मौसम में घर के कोनों, छतों और दीवारों पर मकड़ी के जाले दिखाई देना आम बात है। कई लोग इन्हें मामूली गंदगी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह आदत घर के माहौल पर असर डाल सकती है। पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, जाले नकारात्मक ऊर्जा और ठहराव का संकेत माने जाते हैं, खासकर जब ये लंबे समय तक जमा रहते हैं।

बेडरूम में जाले होना रिश्तों पर भी प्रभाव डाल सकता है। कहा जाता है कि इससे दंपत्ति के बीच तनाव और दूरी बढ़ सकती है। वहीं व्यवहारिक रूप

से देखें तो गंदा और बिखरा कमरा मन को बेचैन करता है, जिससे मूड और संवाद दोनों प्रभावित होते हैं। इसके अलावा, जालों में धूल और कीड़े जमा होने से एलर्जी और नींद से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं। घर के कोनों और स्टोर रूम में जाले होना आर्थिक अव्यवस्था का संकेत भी माना जाता है। यह आदत अक्सर लापरवाही को दर्शाती है, जिसका असर खर्च और बचत पर पड़ सकता है।

इससे बचने के लिए नियमित सफाई जरूरी है। हफ्ते में कम से कम एक बार छत और कोनों की सफाई करें, घर में धूप और हवा आने दें और बेकार सामान हटाएं। साफ घर न केवल सुंदर दिखता है, बल्कि मन को भी शांति और सकारात्मकता देता है।

खुद को समझते हैं समझदार तो पहचानिए असली बुद्धिमानी

यूनिक समय, मथुरा। हर व्यक्ति अपने आप को बुद्धिमान मानता है, लेकिन असली समझदारी केवल सोचने या बोलने से नहीं, बल्कि व्यवहार और निर्णयों से झलकती है। कई बार ऐसा भी होता है कि खुद को सबसे ज्यादा समझदार समझने वाला व्यक्ति ही परिस्थितियों में सबसे बड़ी गलती कर बैठता है। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि हम यह समझें कि वास्तव में बुद्धिमान व्यक्ति की पहचान क्या होती है।

बुद्धिमत्ता का सबसे पहला संकेत है आत्मसंयम। जो व्यक्ति क्रोध, खुशी, गर्व या शर्म जैसी भावनाओं में भी संतुलन बनाए रखता है, वही सही मायनों में समझदार होता है। इसके साथ ही, वह अपने अच्छे कामों का दिखावा नहीं करता, बल्कि उसके कर्म ही उसकी पहचान बनते हैं। ऐसे लोग कम बोलते हैं, लेकिन उनका

काम ज्यादा बोलता है।

हमारे धार्मिक ग्रंथों में भी बुद्धिमत्ता को व्यवहार से जोड़ा गया है। महाभारत का उदाहरण लें, जहां धर्मराज युधिष्ठिर जैसे ज्ञानी भी कभी–कभी परिस्थितियों में गलत निर्णय ले बैठते हैं। इससे यह सीख मिलती है कि केवल ज्ञान होना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि सही समय पर सही निर्णय लेना ही असली बुद्धिमानी है।

बुद्धिमान व्यक्ति की एक और खास पहचान यह होती है कि वह कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य नहीं खोता। दुख, असफलता या विपत्ति उसे विचलित नहीं करती, बल्कि वह उनसे सीख लेकर आगे बढ़ता है। इसके अलावा, वह दूसरों की बातों को ध्यान से सुनता है और समझदारी से प्रतिक्रिया देता है। बिना सोचे–समझे प्रतिक्रिया देना उसकी आदत नहीं होती।

सच्चा बुद्धिमान व्यक्ति कभी भी दूसरों को छोटा या तुच्छ नहीं समझता। वह अपनी क्षमता के अनुसार काम करता है, लेकिन दूसरों का सम्मान करना नहीं भूलता। साथ ही, वह अपने समय का सही उपयोग करता है और अधूरे काम छोड़ने की आदत से दूर रहता है। आत्मनियंत्रण और अनुशासन उसके व्यक्तित्व की मुख्य पहचान होते हैं।

इसके अलावा, बुद्धिमान व्यक्ति भौतिक चीजों के पीछे अंधाधुंध नहीं भागता। वह यह समझता है कि क्या जरूरी है और क्या नहीं। खोई हुई चीजों का शोक करना या असंभव इच्छाओं के पीछे भागना उसकी प्रवृत्ति नहीं होती। वह वर्तमान में जीते हुए अपने कर्म पर ध्यान देता है।

आज के दौर में जहां हर कोई खुद को बेहतर साबित करने की दौड़ में लगा है, वहां यह समझना और भी जरूरी हो गया है कि बुद्धिमानी दिखावे में नहीं, बल्कि संतुलन, धैर्य और सही निर्णय लेने में होती है।

अगर आप में ये गुण हैं, तो आप सच में बुद्धिमान हैं–और अगर नहीं, तो अभी भी समय है खुद को बेहतर बनाने का।

सम्पादकीय

गुरुकुल परंपरा और आधुनिक शिक्षा के बीच संतुलन

आज की शिक्षा व्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है, जहां अतीत की गहराई और वर्तमान की जरूरतों के बीच संतुलन तलाशना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। एक ओर प्राचीन गुरुकुल परंपरा है, जो जीवन को केंद्र में रखकर शिक्षा देती थी, तो दूसरी ओर आधुनिक शिक्षा है, जो तकनीक, प्रतिस्पर्धा और करियर पर आधारित है। इन दोनों के बीच का यह द्वंद्व केवल विचार का नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का प्रश्न है।

पवन गौतम
संपादक

गुरुकुल प्रणाली में शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं थी। यह जीवन जीने की कला सिखाती थी–प्रकृति के साथ तालमेल, श्रम का सम्मान, आत्मानुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व इसके मूल तत्व थे। विद्यार्थी केवल पढ़ते नहीं थे, बल्कि जीवन को अनुभव करते थे। वहीं आज की शिक्षा में ज्ञान का विस्तार तो हुआ है, लेकिन उसका जीवन से संबंध कमजोर पड़ता दिखाई देता है। अंक, डिग्री और प्रतिस्पर्धा ने शिक्षा को संकीर्ण बना दिया है। यही कारण है कि जब हम आधुनिक शिक्षा की सीमाओं पर विचार करते हैं, तो गुरुकुल की विरासत प्रासंगिक लगने लगती है। परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि हम पूरी तरह अतीत की ओर लौट जाएं। वास्तविक आवश्यकता समन्वय की है–जहां वैदिक शिक्षा की समग्रता और आधुनिक शिक्षा की वैज्ञानिकता एक साथ आगे बढ़ें। इस संदर्भ में महात्मा गांधी का 'सुंदर वृक्ष' वाला दृष्टांत हमें यह समझाता है कि भारतीय शिक्षा की जड़ें कितनी मजबूत थीं, जिन्हें औपनिवेशिक व्यवस्था ने कमजोर किया। वहीं रवीन्द्रनाथ टैगोर ने शिक्षा को वैश्विक मानवीय दृष्टि से जोड़ते हुए रचनात्मकता, स्वतंत्रता और प्रकृति के निकटता पर बल दिया। इन दोनों विचारों का समन्वय आज भी मार्गदर्शक बन सकता है। नई शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में प्रयास जरूर किया है, जहां बहुविषयक अध्ययन, कौशल विकास और नैतिक मूल्यों को महत्व दिया गया है। लेकिन नीति बनाना पर्याप्त नहीं, उसका प्रभावी क्रियान्वयन ही असली कसौटी है। स्कूलों में मूल्य आधारित शिक्षा, सामूहिक गतिविधियां और जीवन कौशल को फिर से स्थान देना होगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार देना नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और संतुलित नागरिक तैयार करना होना चाहिए। यदि हम गुरुकुल की आत्मा–समग्रता, नैतिकता और जीवन से जुड़ाव–को आधुनिक ढांचे में शामिल कर सकें, तो शिक्षा वास्तव में परिवर्तन का माध्यम बन सकती है। अंततः, समाधान अतीत या वर्तमान में किसी एक को चुनने में नहीं, बल्कि दोनों के सार को अपनाने में है। यही संतुलन भारत की शिक्षा को न केवल समृद्ध करेगा, बल्कि उसे विश्व के लिए एक आदर्श मॉडल भी बना सकता है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

गंगा एक्सप्रेस–वे : उत्तर प्रदेश के विकास का तेज रफ्तार महामार्ग

बोध प्रकाश सगुणी

उत्तर प्रदेश लंबे समय तक अपनी विशाल जनसंख्या, विविध सांस्कृतिक विरासत और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन बुनियादी ढांचे की कमी ने इसकी वास्तविक क्षमता को कई बार सीमित किया। बीते कुछ वर्षों में राज्य ने जिस तरह से एक्सप्रेस–वे नेटवर्क पर फोकस किया है, उसने विकास की दिशा और गति दोनों को बदलने का संकेत दिया है। इसी कड़ी में गंगा एक्सप्रेस–वे का निर्माण न केवल एक परिवहन परियोजना है, बल्कि यह प्रदेश के आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक परिवर्तन का आधार भी बनने जा रहा है। 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस–वे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ से शुरू होकर पूर्वी क्षेत्र के प्रयागराज तक जाता है। यह केवल दूरी को कम करने का माध्यम नहीं, बल्कि दो भौगोलिक और आर्थिक रूप से भिन्न क्षेत्रों को जोड़ने वाली जीवनरेखा है। पहले जहां इन क्षेत्रों के बीच यात्रा में लंबा समय और असुविधा होती थी, अब वही दूरी लगभग छह घंटे में तय की जा सकेगी। यह बदलाव केवल यात्रियों के लिए सुविधा नहीं, बल्कि व्यापार, उद्योग और निवेश के लिए नए अवसरों का द्वार खोलता है। गंगा एक्सप्रेस–वे की सबसे बड़ी विशेषता इसका समग्र दृष्टिकोण है। यह परियोजना केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे एक "इंटीग्रेटेड कॉरिडोर" के रूप में विकसित किया गया है। इस पर होटल, ढाबे, ईवी चार्जिंग स्टेशन, ट्रॉमा सेंटर, बच्चों के खेलने के क्षेत्र और ड्राइवरों के लिए विश्राम स्थल जैसी सुविधाएं इसे आधुनिक और उपयोगकर्ता अनुकूल बनाती हैं। यह पहली बार है जब किसी एक्सप्रेस–वे को इस स्तर पर सुविधाओं से लैस किया गया है, जिससे यह केवल एक मार्ग नहीं बल्कि एक अनुभव बन जाता है। औद्योगिक विकास के दृष्टिकोण से यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक्सप्रेस–वे के किनारे प्रस्तावित 27 औद्योगिक क्लस्टर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देंगे। इससे न केवल स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि बाहरी निवेशकों के लिए भी आकर्षण बढ़ेगा। मेरठ का खेल उद्योग, हापुड़ का हथकरघा, बदायूं की जरी–जरदोजी और प्रयागराज के कृषि उत्पाद अब तेजी से बड़े बाजारों तक पहुंच सकेंगे। इससे उत्पादन, वितरण और रोजगार–तीनों क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रोजगार के अवसरों की दृष्टि से भी यह परियोजना अहम है। निर्माण के दौरान लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है, और इसके संचालन के बाद भी यह संख्या बढ़ने की संभावना है। औद्योगिक क्लस्टरों के विकसित होने से युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार मिलेगा, जिससे पलायन में कमी आएगी। यह ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संतुलित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गंगा एक्सप्रेस–वे का एक और महत्वपूर्ण पहलू इसकी रणनीतिक उपयोगिता है। शाहजहांपुर में बनी 3.5 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी इसे देश के चुनिंदा एक्सप्रेस–वे में शामिल करती है, जिनका उपयोग आपातकालीन परिस्थितियों में वायुसेना द्वारा किया जा सकता है। यह सुविधा न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर अब बहुआयामी उपयोग को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी इस परियोजना में कई सकारात्मक पहल की गई हैं। वर्षा जल संचयन प्रणाली, कोयले की राख का उपयोग और 18 लाख से अधिक पेड़ लगाने का लक्ष्य इसे टिकाऊ विकास का उदाहरण बनाता है। हालांकि, यह भी जरूरी है कि इन उपायों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना रहे।

सुरक्षा के मामले में भी गंगा एक्सप्रेस–वे आधुनिक तकनीकों से लैस है। व्हाइट अलर्ट स्ट्रिप्स, हाई–इंटेंसिटी लाइटिंग, सीसीटीवी कैमरे और एक्सेस कंट्रोल सिस्टम इसे सुरक्षित और नियंत्रित बनाते हैं। ये सुविधाएं दुर्घटनाओं को कम करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। धार्मिक और पर्यटन दृष्टि से भी इस एक्सप्रेस–वे का महत्व कम नहीं है। यह कई प्रमुख तीर्थ स्थलों को जोड़ता है, जिससे श्रद्धालुओं के लिए यात्रा आसान होगी। गढ़मुक्तेश्वर, बेल्हा देवी धाम, चंद्रिकादेवी और त्रिवेणी संगम जैसे स्थलों तक पहुंच अब पहले से अधिक सुविधाजनक होगी। भविष्य में इसके वाराणसी, मिर्जापुर और सोनभद्र तक विस्तार की योजना इसे और भी प्रभावी बना सकती है। हालांकि, हर बड़ी परियोजना के साथ कुछ चुनौतियां भी होती हैं। भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय प्रभाव और स्थानीय समुदायों पर पड़ने वाले असर जैसे मुद्दों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह जरूरी है कि विकास के साथ–साथ सामाजिक न्याय और पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखा जाए। प्रभावित लोगों के पुनर्वास और मुआवजे की प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत होनी चाहिए। इसके अलावा, एक्सप्रेस–वे के रखरखाव और प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान देना होगा। केवल निर्माण ही नहीं, बल्कि इसकी गुणवत्ता और सुविधाओं को लंबे समय तक बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। टोल व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन और सुरक्षा उपायों का नियमित मूल्यांकन आवश्यक होगा। समग्र रूप से देखा जाए तो गंगा एक्सप्रेस–वे उत्तर प्रदेश के विकास की नई कहानी लिखने की क्षमता रखता है। यह केवल एक सड़क नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जो आर्थिक प्रगति, सामाजिक बदलाव और क्षेत्रीय संतुलन को गति देता है। यदि इसके साथ जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है, तो यह परियोजना आने वाले वर्षों में प्रदेश की पहचान बन सकती है। अंततः, गंगा एक्सप्रेस–वे उस बदलते भारत का प्रतीक है, जहां इंफ्रास्ट्रक्चर केवल सुविधा का साधन नहीं, बल्कि विकास का इंजन बन चुका है। यह परियोजना दिखाती है कि सही योजना, मजबूत इच्छाशक्ति और आधुनिक दृष्टिकोण के साथ कोई भी राज्य अपनी सीमाओं को पार कर सकता है। उत्तर प्रदेश के लिए यह केवल एक एक्सप्रेस–वे नहीं, बल्कि एक नई दिशा और नई उम्मीद है।

विचार विण्डो

जानलेवा गर्मी: जलवायु संकट की चेतावनी घंटी

राम प्रकाश शर्मा

भारत इस समय केवल मौसम के बदलाव को नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के गंभीर और खतरनाक संकेतों को महसूस कर रहा है। कभी जीवनदायिनी मानी जाने वाली धूप अब कई इलाकों में जानलेवा बनती जा रही है। अप्रैल की शुरुआत में ही जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने लगे और राजधानी दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई हिस्से 43 डिग्री की तपिश झेलने लगें, तो यह सामान्य मौसमी उतार–चढ़ाव नहीं बल्कि एक गहरे संकट का संकेत है।

इस वर्ष की गर्मी ने असामान्य तरीके से दस्तक दी। फरवरी के अंतिम सप्ताह और मार्च की शुरुआत में ही तापमान सामान्य से ऊपर चला गया। इसके बाद पश्चिमी विक्षोभ के कारण कुछ समय के लिए राहत जरूर मिली, लेकिन यह राहत अस्थायी साबित हुई। जैसे ही बारिश का असर खत्म हुआ, गर्मी ने और भी तीव्र रूप धारण कर लिया। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य भारत तक धरती झुलसती नजर आ रही है। यह स्थिति केवल मौसम की नहीं, बल्कि एक व्यापक पर्यावरणीय असंतुलन की ओर इशारा करती है।

आंकड़े इस खतरे को और स्पष्ट करते हैं। 1981 से 2000 के बीच जहां लू की औसत अवधि 2.5 से 5.5 दिन के बीच रहती थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का प्रभाव क्षेत्र भी तेजी से बढ़ा है। पहले जहां यह लगभग 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर तक सीमित था, अब यह 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर तक फैल चुका है। इसका मतलब है कि अब अधिक क्षेत्र, अधिक समय तक और अधिक तीव्रता से गर्मी की चपेट में आ रहे हैं।

इस बढ़ती गर्मी के पीछे कई कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है जलवायु परिवर्तन। कोयला और अन्य जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ा दी है। इससे पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही शहरीकरण ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। शहरों में कंक्रीट और डामर की सड़कों ने 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव को जन्म दिया है, जहां दिनभर की गर्मी रात में भी कम नहीं होती। पेड़ों की कमी और हरित क्षेत्रों के घटने से यह समस्या और बढ़ जाती है। गर्मी का यह बढ़ता प्रकोप केवल असुविधा का विषय नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है। लू लगने से हर साल हजारों लोगों की जान जाती है, खासकर बुजुर्ग, बच्चे और श्रमिक वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित

होते हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ता है और अस्पतालों में मरीजों की संख्या अचानक बढ़ जाती है। इसके अलावा, अत्यधिक गर्मी का असर मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है, जिससे चिड़चिड़ापन, तनाव और थकान बढ़ती है। आर्थिक दृष्टि से भी यह स्थिति चिंताजनक है। अत्यधिक गर्मी के कारण श्रमिकों की कार्यक्षमता घटती है, जिससे उत्पादन पर असर पड़ता है। कृषि क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। फसलों पर गर्मी का सीधा प्रभाव पड़ता है, जिससे उत्पादन में कमी आती है और खाद्य सुरक्षा पर खतरा बढ़ता है। बिजली की मांग बढ़ने से ऊर्जा संकट भी गहरा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस समस्या को गंभीरता से लिया जा रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि तापमान में वृद्धि का यही सिलसिला जारी रहा, तो समुद्र स्तर में वृद्धि, ग्लेशियरों का पिघलना और चरम मौसमी घटनाओं की आवृत्ति बढ़ेगी। इसका प्रभाव केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था और मानव जीवन के हर पहलू को प्रभावित करेगा।

समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाना अब अनिवार्य हो गया है। सबसे पहले, ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करना होगा। इसके लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके साथ ही, वनों का संरक्षण और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाना होगा। शहरी क्षेत्रों में हरित स्थानों को बढ़ाना और टिकाऊ निर्माण पद्धतियों को अपनाना भी आवश्यक है।

सरकारों को हीट एक्शन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए, जिसमें समय पर चेतावनी, सार्वजनिक जागरूकता और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारी शामिल हो। आम नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। पानी का संरक्षण, ऊर्जा की बचत और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाना इस संकट से लड़ने में मददगार हो सकता है।

अंततः, यह समझना होगा कि जलवायु परिवर्तन कोई दूर का खतरा नहीं, बल्कि वर्तमान की सच्चाई है। यदि समय रहते ठोस और सामूहिक प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और भी भयावह रूप ले सकता है। आज की यह जानलेवा गर्मी हमें चेतावनी दे रही है कि अब भी समय है–प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित करने का, विकास की दिशा को पुनः परिभाषित करने का और एक सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने का।

आईपीएल 2026

मुंबई इंडियंस का संघर्ष, प्लेऑफ की राह मुश्किल

यूनिक समय, नई दिल्ली। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस-आईपीएल 2026 सीजन अब तक बेहद निराशाजनक रहा है। टीम ने आठ मुकाबलों में से छह में हार झेली है, जिससे प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म होती नजर आ रही हैं। आमतौर पर प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए 16 अंकों की जरूरत होती है, ऐसे में मुंबई को अपने बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे और फिर भी अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना पड़ेगा।

भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने मुंबई के प्रदर्शन पर खुलकर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि टीम का मौजूदा खेल उनके लिए चौंकाने वाला है। अश्विन के मुताबिक, कई बार ऐसा लगा कि मुंबई मैच जीत सकती है, लेकिन टीम मौके भुनाने में असफल रही। उन्होंने यह भी कहा कि इस सीजन में टीम की वापसी की उम्मीदें कमजोर दिख रही हैं। मुंबई की हार के पीछे सबसे बड़ा कारण संतुलन की कमी रही है। टीम न तो बड़े स्कोर का बचाव कर पा रही है और न ही मुश्किल परिस्थितियों में लक्ष्य का पीछा कर पा रही है। उदाहरण के तौर पर, कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 220 रन लुटाना और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 200+ स्कोर का पीछा न कर पाना उनकी कमजोरी को दर्शाता है। पिच के अनुसार प्रदर्शन में निरंतरता की कमी भी टीम को नुकसान पहुंचा रही है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुंबई ने 243/5 का बड़ा स्कोर खड़ा किया, जिसमें रयान रिकेल्टन ने शानदार शतक जड़ा। इसके बावजूद हैदराबाद ने लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया।

ट्रेविस हेड और हेनरिक क्लासेन और अभिषेक शर्मा की दमदार पारियों ने मुंबई की गेंदबाजी की कमजोरी उजागर कर दी। कप्तान हार्दिक पांड्या ने मैच के बाद स्वीकार किया कि टीम अपने स्तर के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि टीम को अपनी गलतियों से सीखकर जल्दी सुधार करना होगा। मुंबई इंडियंस के लिए अब हर मुकाबला 'करो या मरो' जैसा है। एक और हार टीम को प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर सकती है। ऐसे में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में सुधार बेहद जरूरी है, तभी टीम वापसी की उम्मीद कर सकती है।

हार्दिक पांड्या के नए फ्लैट की खबर: सच्चाई क्या है?

यूनिक समय, नई दिल्ली। हार्दिक पांड्या इन दिनों आईपीएल 2026 में व्यस्त हैं, जहां वह मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हैं। टीम के खराब प्रदर्शन और लगातार मिल रही हार के बीच सोशल मीडिया पर एक नई खबर तेजी से वायरल हो रही है।

दावा किया जा रहा है कि हार्दिक ने मुंबई के वर्ली इलाके में एक लग्जरी सी-फेसिंग फ्लैट खरीदा है, जिसकी कीमत करीब 21 करोड़ 45 लाख रुपये बताई जा रही है। वायरल दावों के अनुसार, हार्दिक इस नए घर में अपनी कथित गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा के साथ रहने वाले हैं। यह भी कहा जा रहा है कि दोनों पिछले कुछ समय से एक-दूसरे के करीब हैं और कई मौकों पर साथ नजर आ चुके हैं। हालांकि, इन दावों को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है। असलियत यह है कि हार्दिक पांड्या या उनकी टीम की ओर से इस फ्लैट को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। ऐसे में फिलहाल यह खबर सिर्फ अफवाह मानी जा रही है। बिना पुष्टि के इस तरह की बातों पर भरोसा करना सही नहीं होगा। जहां तक उनके रहने की बात है, हार्दिक पहले से ही मुंबई के खार वेस्ट इलाके में एक आलीशान अपार्टमेंट में रहते हैं। बताया जाता है कि यह 8 बीएचके घर है, जिसकी कीमत करीब 30 करोड़ रुपये है। इसलिए नए नजर आए हैं। कुल मिलाकर, हार्दिक पांड्या के नए फ्लैट और निजी जिंदगी को लेकर जो बातें सामने आ रही हैं, वे अभी तक सिर्फ सोशल मीडिया की चर्चा हैं। जब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं होती, इन्हें सच मानना जल्दबाजी होगी।

फ्लैट की कीमत करीब 21 करोड़ 45 लाख रुपये बताई जा रही है

'श्री कृष्णा' के राधा-कान्हा: 33 साल में बदली जिंदगी की कहानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। 90 के दशक का मशहूर धारावाहिक श्री कृष्णा आज भी लोगों की यादों में ताजा है। रविवार की सुबह जब यह शो प्रसारित होता था, तो पूरा देश भक्ति में डूब जाता था। इस धारावाहिक में नन्हे कान्हा और छोटी राधा की जोड़ी ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। उनकी मासूमियत और नटखट अंदाज ने हर घर में पहचान बनाई थी।

इस शो में बाल कृष्ण का किरदार निभाने वाले स्वप्निल जोशी उस समय ही काफी लोकप्रिय हो गए थे। बचपन में अपनी मासूम मुस्कान से सबका दिल जीतने वाले स्वप्निल आज एक सफल अभिनेता बन चुके हैं। उन्होंने आगे चलकर कई धारावाहिकों और फिल्मों में काम किया और खासकर मराठी सिनेमा में बड़ा नाम हासिल किया। समय के साथ उन्होंने खुद को अलग-अलग भूमिकाओं में ढाला और अब वे एक स्थापित कलाकार के रूप में जाने जाते हैं। वहीं, राधा का किरदार निभाने वाली श्वेता रस्तोगी भी उस दौर में अपनी सादगी और अभिनय के लिए काफी पसंद की गईं। उनकी और स्वप्निल की जोड़ी को दर्शकों ने खूब सराहा था।

हालांकि समय के साथ उनका रूप काफी बदल गया है और अब उन्हें पहचान पाना आसान नहीं है। वे आज भी अभिनय से जुड़ी हुई हैं और कई धारावाहिकों व रंगमंच में काम कर चुकी हैं। जहां स्वप्निल जोशी ने अभिनय की दुनिया में बड़ी सफलता हासिल कर ली, वहीं श्वेता रस्तोगी ने अपने तरीके से इस क्षेत्र में काम जारी रखा। उन्होंने प्रसिद्धि की दौड़ से अलग रहकर कला को महत्व दिया और लगातार अभिनय करती रहीं। 33 साल बाद भी 'श्री कृष्णा' के ये दोनों कलाकार दर्शकों के दिलों में बसे हुए हैं। उनकी पुरानी यादें आज भी लोगों को अपने बचपन की ओर ले जाती हैं और यह जोड़ी आज भी उतनी ही खास मानी जाती है।

'महाभारत' की गंगा: किरण जुनेजा की जिंदगी और खास रिश्ते

यूनिक समय, नई दिल्ली। 80 के दशक का चर्चित धारावाहिक महाभारत आज भी लोगों की यादों में बसा हुआ है। इस पौराणिक कथा में गंगा मैया का किरदार निभाने वाली किरण जुनेजा को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। उनकी सादगी और अभिनय ने इस भूमिका को बेहद खास बना दिया।

किरण जुनेजा अपनी अभिनय यात्रा के साथ-साथ निजी जीवन को लेकर भी चर्चा में रहीं। उन्होंने प्रसिद्ध निर्देशक रमेश सिप्पी से विवाह किया, जो फिल्म शोले के लिए जाने जाते हैं। दोनों की मुलाकात एक धारावाहिक के दौरान हुई थी और धीरे-धीरे यह रिश्ता गहरा होता गया। करीब चार साल तक एक-दूसरे का समझन क बाद वष 1991 म उन्होंने विवाह कर लिया। उम्र में अंतर और पारिवारिक परिस्थितियों के बावजूद दोनों ने अपने रिश्ते को मजबूती से निभाया। रमेश सिप्पी की पहला शादा स उनक तान बच्च ह, जिन्हें किरण जुनेजा ने अपने परिवार की तरह अपनाया। इसी रिश्ते के कारण उनका जुड़ाव कपूर परिवार से भी हुआ। रमेश सिप्पी की बेटी शीना का विवाह कुणाल कपूर से हुआ था, जो शशि कपूर के पुत्र हैं। इस तरह किरण जुनेजा का रिश्ता भी कपूर परिवार से जुड़ गया। परिवार की नई पीढ़ी में भी अभिनय की छाप देखने को मिलती है। शीना के बेटे जहान कपूर ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा है और अपने काम को लेकर चर्चा में हैं।

किरण जुनेजा ने महाभारत के अलावा कई अन्य धारावाहिकों में भी काम किया और अपनी अलग पहचान बनाई। आज भी उन्हें उनके सशक्त अभिनय और गरिमामय व्यक्तित्व के लिए याद किया जाता है।

कनाडा में दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में हंगामा, सुरक्षा पर उठे सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। कनाडा के वैंकूवर में आयोजित एक संगीत कार्यक्रम के दौरान मशहूर पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ को विरोध का सामना करना पड़ा। कार्यक्रम के बीच अचानक कुछ उपद्रवी लोग स्थल के अंदर घुस आए, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया और दर्शकों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, कॉन्सर्ट अपने चरम पर था तभी प्रदर्शनकारियों का एक समूह झंडे लहराते हुए अंदर पहुंचा और नारेबाजी शुरू कर दी। इन लोगों ने न केवल भारत के खिलाफ आवाज उठाई, बल्कि दिलजीत दोसांझ पर भी गंभीर आरोप लगाए। हालात तब और बिगड़ गए जब सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की और दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई। कुछ समय के लिए कार्यक्रम बाधित हुआ, जिससे दर्शक घबरा गए। बाद में सुरक्षा टीम ने स्थिति को नियंत्रित किया। सूत्रों के मुताबिक, इस घटना में शामिल कुछ लोगों की पहचान भी की गई है और उनका संबंध एक प्रतिबंधित संगठन से बताया जा रहा है। इस वजह से मामला और गंभीर हो गया है। इस पूरे घटनाक्रम ने विदेशी जमीन पर भारतीय कलाकारों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। घटना के बाद यह भी सामने आया है कि प्रदर्शनकारियों ने भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों में भी इसी तरह विरोध जारी रखने की चेतावनी दी है। इससे आयोजकों और कलाकारों के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। वैंकूवर की इस घटना ने यह साफ कर दिया है कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत है, ताकि कलाकार और दर्शक दोनों सुरक्षित माहौल में कार्यक्रम का आनंद ले सकें।

ऋषि कपूर की पुण्यतिथि पर नीतू कपूर और रिद्धिमा हुईं भावुक

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर की पुण्यतिथि पर आज उन्हें परिवार और फिल्म जगत ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उनके निधन को छह साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन उनकी यादें आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं।

पत्नी नीतू कपूर ने सोशल मीडिया पर एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए भावुक संदेश लिखा। इस तस्वीर में दोनों साथ में मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। नीतू ने अपने संक्षिप्त लेकिन दिल छू लेने वाले शब्दों में उन्हें हमेशा अपने दिल में बसाए रखने की बात कही। उनके इस पोस्ट ने फैंस को भी भावुक कर दिया। वहीं बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी ने भी अपने पिता को याद करते हुए एक भावनात्मक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा कि जब तक दोबारा मुलाकात नहीं होती, तब तक वह उन्हें याद करती रहेंगी और उनसे प्यार करती रहेंगी। इस संदेश में एक बेटी का अपने पिता के लिए गहरा लगाव साफ झलकता है।

ऋषि कपूर और नीतू कपूर की जोड़ी हिंदी सिनेमा की सबसे लोकप्रिय जोड़ियों में से एक रही है। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और असल जिंदगी में भी उनका रिश्ता बेहद खास रहा। उनकी शादी वर्ष 1980 में हुई थी और उन्होंने लंबे समय तक एक-दूसरे का साथ निभाया।

ऋषि कपूर ने अपने करियर में कई यादगार फिल्में दीं और अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने रोमांटिक हीरो से लेकर गंभीर किरदारों तक हर भूमिका में दर्शकों का दिल जीता। उनका निधन 30 अप्रैल 2020 को एक गंभीर बीमारी के कारण हुआ था। आज उनकी पुण्यतिथि पर परिवार, मित्र और प्रशंसक उन्हें याद कर भावुक हो रहे हैं और उनके योगदान को नमन कर रहे हैं।

शाहजहांपुर में दर्दनाक हादसा

कार की टक्कर से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

यूनिक समय, शाहजहांपुर । शाहजहांपुर–पलिया हाईवे पर गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की जान चली गई।

पुवायां थाना क्षेत्र के भूड़ा मैनारी ओवरब्रिज के पास तेज रफ्तार बोलेरो कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दंपती और उनके दो मासूम बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान निगोही क्षेत्र के रामनगर बगिया निवासी अरुण कुमार (40), उनकी पत्नी सीमा देवी (35), बेटी दीक्षा (8) और बेटे नैतिक (6) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि परिवार शादी समारोह में शामिल होकर वापस घर लौट रहा था, तभी यह हादसा हो गया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद चालक मौके पर बोलेरो छोड़कर फरार हो गया।

पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। इस दर्दनाक घटना से परिवार और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतकों के परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है, वहीं प्रशासन मामले की जांच में जुटा है।

यूपी चुनाव से पहले आतंकी साजिश का अलर्ट, एजेंसियां सतर्क

यूनिक समय, लखनऊ। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले संभावित आतंकी गतिविधियों को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) द्वारा भारत में बड़ी साजिश रचने की आशंका जताई गई है। एजेंसियों का कहना है कि यह रणनीति सीधे हमले से पहले ध्यान भटकाने और भ्रम पैदा करने पर केंद्रित हो सकती है।

सूत्रों के मुताबिक, संदिग्ध गतिविधियों में अचानक तेजी देखी गई है, जिनमें संवेदनशील स्थानों की निगरानी, संदिग्ध उपकरणों की स्थापना और सूचना जुटाने के प्रयास शामिल हैं। कुछ मामलों में सोलर ऊर्जा से चलने वाले कैमरों के जरिए निगरानी की कोशिशें सामने आई हैं, जिनका उपयोग बाहरी नेटवर्क को जानकारी भेजने के लिए किया जा सकता है।

खुफिया एजेंसियों को यह भी आशंका है कि चुनावी माहौल का फायदा उठाकर सामाजिक तनाव बढ़ाने की कोशिश की जा सकती है। इसके लिए प्रचार माध्यमों और डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर भ्रामक जानकारी फैलाने की संभावना जताई गई है। उद्देश्य यह हो सकता है कि सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान अलग–अलग दिशाओं में बंट जाए और किसी बड़ी घटना की तैयारी छिपी रह सके।

हाल ही में कुछ संदिग्ध मॉड्यूल का खुलासा भी हुआ है, जिनमें संवेदनशील स्थानों की जानकारी जुटाने और निगरानी करने के प्रयास पाए गए। इसके बाद देशभर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है, खासकर सार्वजनिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में।

एजेंसियों का मानना है कि इस बार पारंपरिक तरीकों के बजाय अलग रणनीति अपनाई जा सकती है, जिसमें बाहरी राज्यों के लोगों का इस्तेमाल या छोटे शहरों को निशाना बनाने जैसी संभावनाएं शामिल हैं।

फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं और हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। आम लोगों से भी अपील की गई है कि वे किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की तुरंत सूचना प्रशासन को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

महिला आरक्षण पर सीएम योगी का वार गेस्ट हाउस कांड का किया जिक्र

यूनिक समय, लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में महिला सशक्तिकरण पर चर्चा के दौरान विपक्ष पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने समाजवादी पार्टी और अन्य दलों पर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता न दिखाने का आरोप लगाया। इस दौरान उन्होंने 1995 के चर्चित स्टेट गेस्ट हाउस कांड का जिक्र करते हुए विपक्ष के पुराने रुख पर सवाल उठाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उस घटना ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर विपक्ष की सोच को उजागर किया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा ने उस समय हस्तक्षेप कर स्थिति संभालने में भूमिका निभाई थी।

योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सुधारों, खासकर इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारियों पर नियंत्रण का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं से ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता और महिलाओं की सुरक्षा में सुधार हुआ है।

सीएम ने आरोप लगाया कि विपक्ष सदन में विकास योजनाओं का विरोध करता है, जबकि बाहर समर्थन का दावा करता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा सरकार की प्राथमिकता बनी रहेगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय में पान–गुटखा पर सख्ती, 500 रुपये जुर्माना

यूनिक समय, लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर में स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। विश्वविद्यालय ने पान, मसाला, गुटखा और धूम्रपान पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। इस संबंध में कुलपति के निर्देश पर कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा द्वारा आधिकारिक आदेश जारी किया गया है।

नए नियमों के अनुसार, यदि कोई कर्मचारी, अधिकारी या शिक्षक परिसर के भीतर पान, गुटखा या अन्य मादक पदार्थों का सेवन करते हुए पाया जाता है, तो उस पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। प्रशासन का स्पष्ट कहना है कि इस तरह की गतिविधियां न केवल परिसर की स्वच्छता को प्रभावित करती हैं, बल्कि कार्यालय की मर्यादा और आचरण नियमों के भी खिलाफ हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में लंबे समय से दीवारों पर पान की पीक और गंदगी की शिकायतें मिल रही थीं, जिससे शैक्षणिक माहौल पर नकारात्मक असर पड़ रहा था। इसी को ध्यान में रखते हुए यह सख्त फैसला लिया गया है। प्रशासन का उद्देश्य परिसर को साफ–सुथरा, स्वस्थ और अनुशासित बनाए रखना है, ताकि छात्रों और कर्मचारियों को बेहतर वातावरण मिल सके।

इस फैसले को लेकर विश्वविद्यालय समुदाय में मिली–जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जहां एक ओर कई लोग इसे स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए जरूरी कदम मान रहे हैं, वहीं कुछ लोग इसे सख्त नियम के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, प्रशासन का मानना है कि ऐसे नियमों से परिसर में सकारात्मक बदलाव आएगा।

फिलहाल यह आदेश लागू हो चुका है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। विश्वविद्यालय ने सभी से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और स्वच्छ एवं स्वस्थ परिसर बनाने में सहयोग दें।

सुल्तानपुर: तेज डीजे बना मौत की वजह

140 मुर्गियों की मौत पर एफआईआर दर्ज

यूनिक समय, सुल्तानपुर । उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले के बल्दीराय थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां शादी में बज रहे तेज डीजे की आवाज 140 मुर्गियों की मौत का कारण बन गई और अब यह मामला कानूनी रूप ले चुका है, जानकारी के अनुसार 25 अप्रैल को बब्बन विश्वकर्मा की बेटी की शादी थी, जिसमें कुड़वार क्षेत्र से बारात आई थी और बारात में तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा था, जब यह बारात साबिर अली के पोल्ट्री फार्म के सामने से गुजरी तो तेज ध्वनि और कंपन के कारण फार्म के अंदर मौजूद मुर्गियों में अफरा–तफरी मच गई, फार्म संचालक साबिर अली का दावा है कि शोर के कारण मुर्गियां बुरी तरह घबरा गईं और देखते ही देखते 140 मुर्गियों ने दम तोड़ दिया, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने डीजे की आवाज कम करने की अपील की थी लेकिन उनकी बात को नजरअंदाज कर दिया गया, इस घटना से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ, जिसके बाद उन्होंने स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कुड़वार निवासी डीजे संचालक कवि यादव के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है, उपनिरीक्षक भरत सिंह ने बताया कि पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या तेज ध्वनि ही मुर्गियों की मौत की मुख्य वजह बनी, यह घटना ध्वनि प्रदूषण के दुष्प्रभावों और नियमों के पालन की जरूरत को एक बार फिर उजागर करती है।

बुलंदशहर ट्रिपल मर्डर: मुख्य आरोपी जीतू सैनी एनकाउंटर में ढेर

यूनिक समय, बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में हुए चर्चित तिहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी जीतू सैनी को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया, जिस पर 50,000 का इनाम घोषित था और पुलिस पिछले कई दिनों से उसकी तलाश में जुटी हुई थी, यह घटना 25 अप्रैल की है जब एक जिम में जीतू का जन्मदिन मनाया जा रहा था और उसी दौरान कुछ युवकों द्वारा चेहरे पर केक लगाने को लेकर विवाद शुरू हुआ जो देखते ही देखते हिंसक हो गया, जिसके बाद जीतू ने .32 बोर की पिस्टल से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी और आकाश, मनीष व अमनदीप की मौके पर ही मौत हो गई, मृतक भाजपा नेता के परिवार से जुड़े बताए गए हैं

जिससे मामला और भी संवेदनशील हो गया, घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश देखने को मिला और परिजनों ने सख्त कार्रवाई की मांग की, पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए कई टीमों और स्वाट यूनिट को लगाया और अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जिनमें से कुछ को मुठभेड़ के दौरान पकड़ा गया, वहीं मुख्य आरोपी जीतू सैनी की ढाकर रोड पर पुलिस से मुठभेड़ हुई जिसमें वह मारा गया, इस दौरान एसओजी प्रभारी असलम और एक अन्य सिपाही घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है, पुलिस ने आरोपी के पास से दो पिस्टल, एक तमंचा और कई जिंदा व खोखा कारतूस बरामद किए हैं, वहीं अन्य आरोपियों को पकड़ने के दौरान भी उन्होंने भागने की कोशिश करते हुए पुलिस पर फायरिंग की थी, जिसके जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में कार्रवाई करते हुए उन्हें काबू कर लिया, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए दोषियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सार संक्षेप

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में विनेश चंदेल को मिली जमानत

यूनिक समय, नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आई–पैक के निदेशक विनेश चंदेल को पटियाला हाउस कोर्ट से जमानत मिल गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने भी उनकी जमानत का विरोध नहीं किया और बताया कि वे जांच में सहयोग कर रहे हैं। अदालत ने जमानत देते हुए शर्तें लगाई हैं कि वे सबूतों से छेड़छाड़ नहीं करेंगे और गवाहों को प्रभावित नहीं करेंगे। यह मामला पश्चिम बंगाल के कथित कोयला घोटाले से जुड़ा है, जिसमें उन्हें 13 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था।

अमेरिका ने लौटाईं प्राचीन वस्तुएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका ने भारत को 657 प्राचीन और तस्करी की गई कलाकृतियां वापस की हैं। इनमें भगवान गणेश और बुद्ध की मूर्तियां सहित कई ऐतिहासिक वस्तुएं शामिल हैं। इनकी अनुमानित कीमत करीब 1.4 करोड़ डॉलर बताई गई है। यह वस्तुएं लंबे समय से चल रही जांच के बाद बरामद की गई थीं। मैनहट्टन के जिला अटॉर्नी ने इसे बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि आगे भी ऐसी चोरी हुई धरोहरों की वापसी के प्रयास जारी रहेंगे।

पाकिस्तानी डॉक्टर पर गंभीर आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका में पाकिस्तानी मूल के डॉक्टर हसन शरजील खान पर नाबालिग के यौन शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि उसने एक 11 वर्षीय लड़की से ऑनलाइन संपर्क कर लंबे समय तक उसका शोषण किया। बाद में 2016 में उसने अदालत में अपराध स्वीकार किया और उसे 17 साल की सजा सुनाई गई। अब अमेरिकी न्याय विभाग उसकी नागरिकता रद्द करने की प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है, क्योंकि उसने नागरिकता लेते समय अपने अपराध छिपाए थे।

कर्नाटक में सीएम बदलाव पर स्थिति साफ

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने साफ कर दिया है कि फिलहाल कोई बदलाव नहीं होगा और मौजूदा मुख्यमंत्री ही पद पर बने रहेंगे। काफी समय से नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चा चल रही थी, लेकिन अब इस पर विराम लग गया है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी कहा कि पार्टी हाईकमान जो भी फैसला लेगा, सभी उसे स्वीकार करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी में कोई मतभेद नहीं है और सभी नेता एकजुट हैं।

हिटलर से जुड़ी एक रहस्यमयी कहानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटिश सैनिक हेनरी टैंडी ने एक घायल जर्मन सैनिक को मारने के बजाय उसे जाने दिया था। बाद में दावा किया गया कि वह सैनिक एडोल्फ हिटलर था। 1918 में फ्रांस के मार्कोइंग क्षेत्र में हुई इस घटना में टैंडी ने निहत्थे सैनिक पर गोली नहीं चलाई। यह कहानी वर्षों से चर्चा का विषय बनी हुई है, हालांकि इसकी पुष्टि पूरी तरह नहीं हो सकी है।

राजनाथ सिंह का पाकिस्तान पर बड़ा बयान, आतंकवाद पर कड़ा संदेश

यूनिक समय, नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एएनआई की नेशनल सिक्योरिटी समिट में पाकिस्तान पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भारत और पाकिस्तान 1947 में एक साथ आजाद हुए थे, लेकिन आज दोनों देशों की पहचान पूरी तरह अलग है।

उन्होंने कहा कि भारत अपनी सूचना प्रौद्योगिकी यानी आईटी के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है, जबकि पाकिस्तान को आतंकवाद के केंद्र के रूप में देखा जाता है। उनके अनुसार यह अंतर दोनों देशों की नीतियों और दिशा को साफ तौर पर दिखाता है।

राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में आतंकवाद को एक गंभीर वैश्विक समस्या बताते हुए कहा कि इसे किसी भी धर्म या विचारधारा से जोड़कर सही नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि ऐसा करना आतंकवादियों को परोक्ष रूप से समर्थन देने जैसा है, जिससे वे अपने गलत मंसूबों में आगे बढ़ते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद केवल हथियारों से नहीं, बल्कि विचारों और राजनीतिक समर्थन से भी पनपता है। उनके अनुसार, जब तक इसकी जड़ें खत्म नहीं की जाएंगी, तब तक यह शांति और विकास के लिए लगातार खतरा बना रहेगा।

रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी क्षमता और रणनीति को लगातार मजबूत किया है। उन्होंने इशारा किया कि देश किसी भी स्थिति में अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सक्षम है और जरूरत पड़ने पर निर्णायक कार्रवाई कर सकता है।

आतंकवाद केवल हथियारों से नहीं, विचारों और राजनीतिक समर्थन से भी पनपता है

अपने बयान में उन्होंने यह भी दोहराया कि भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी सुरक्षा और संप्रभुता के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि देश की सैन्य और रणनीतिक क्षमता पहले से कहीं अधिक मजबूत है और किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम है। यह बयान ऐसे समय आया है जब क्षेत्रीय सुरक्षा और आतंकवाद को लेकर वैश्विक स्तर पर चर्चा तेज है। राजनाथ सिंह के इस बयान ने राजनीतिक और सुरक्षा हलकों में व्यापक प्रतिक्रिया पैदा की है।

गर्भपात कानून पर सख्त सुप्रीम कोर्ट

एम्स की याचिका पर जताई आपत्ति

यूनिक समय, नई दिल्ली। नई दिल्ली 15 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता के गर्भपात मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए केंद्र सरकार को कानून में बदलाव पर विचार करने की सलाह दी है। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में समय सीमा बाधा नहीं बननी चाहिए और पीड़िता की इच्छा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने एम्स की क्यूरेटिव याचिका पर आपत्ति जताई, जिसमें 30 सप्ताह की गर्भावस्था समाप्त करने पर सवाल उठाया गया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब गर्भधारण दुष्कर्म के कारण हुआ हो, तब कानून को संवेदनशील और लचीला होना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने कहा कि किसी भी नाबालिग को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

अदालत के अनुसार, यदि गर्भपात से मां को स्थायी शारीरिक नुकसान नहीं होता, तो इसे अनुमति दी जानी चाहिए। साथ ही एम्स को निर्देश दिया गया कि वह पीड़िता और उसके परिवार को पूरी जानकारी देकर निर्णय लेने में मदद करे। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि अनचाहे गर्भ के कारण पीड़िता को गंभीर मानसिक, सामाजिक और शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में उसकी शिक्षा, भविष्य और मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए फैसला लेना आवश्यक है। वहीं, एम्स की ओर से दलील दी गई कि 30 सप्ताह में भ्रूण काफी विकसित हो चुका होता है और गर्भपात से मां के स्वास्थ्य पर जोखिम हो सकता है। हालांकि, कोर्ट ने दोहराया कि अंतिम निर्णय पीड़िता और उसके परिवार का ही होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया से भी अपील की कि इस संवेदनशील मामले की रिपोर्टिंग करते समय गोपनीयता और मर्यादा का विशेष ध्यान रखा जाए। यह फैसला गर्भपात कानून में संभावित बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

आईसीएसई दसवीं और आईएससी बारहवीं का परिणाम घोषित

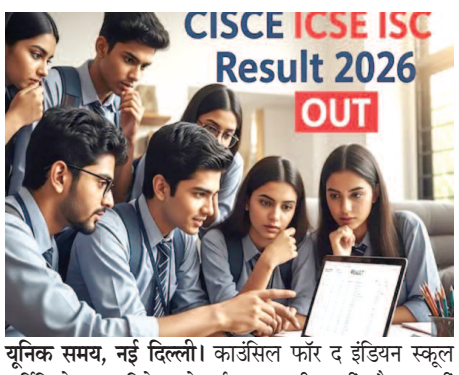

यूनिक समय, नई दिल्ली। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन ने वर्ष 2026 की दसवीं और बारहवीं कक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इस वर्ष परिणाम बेहद उत्कृष्ट रहा है। दसवीं में 99.18 प्रतिशत और बारहवीं में 99.13 प्रतिशत छात्र सफल हुए हैं। देशभर से चार लाख से अधिक विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में भाग लिया था।

परिणाम जारी होते ही छात्रों और अभिभावकों में खुशी का माहौल देखने को मिला। इस बार भी छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए छात्रों को पीछे छोड़ा है। बारहवीं में छात्राओं का सफलता प्रतिशत 99.48 रहा, जबकि छात्रों का 98.81 प्रतिशत रहा। वहीं दसवीं में छात्राओं का परिणाम 99.46 और छात्रों का 98.93 प्रतिशत दर्ज किया गया।

विद्यार्थी अपना परिणाम परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं। इसके अलावा डिजिलॉकर, उमंग ऐप और संदेश सेवा के माध्यम से भी अंकतालिका प्राप्त की जा सकती है। परिणाम देखने के लिए छात्रों को अपना यूनिक पहचान क्रमांक और सूचकांक संख्या दर्ज करनी होगी। सफल होने के लिए दसवीं में न्यूनतम 33 प्रतिशत और बारहवीं में 35 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं। इस वर्ष भी परिषद ने मेधावी छात्रों की सूची जारी नहीं की है, ताकि विद्यार्थियों पर अनावश्यक दबाव न पड़े। लखनऊ के छात्र प्रखर सिंह ने बारहवीं में 99.25 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वहीं दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र में भी 99 प्रतिशत से अधिक छात्र सफल रहे हैं। कुल मिलाकर यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत और लगन का प्रतीक है।

ट्रंप ने 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का नाम बदला

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर चर्चा में हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक नक्शा साझा किया, जिसमें 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का नाम बदलकर 'स्ट्रेट ऑफ ट्रंप' लिखा गया था। यह पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई और बहस का विषय बन गई।

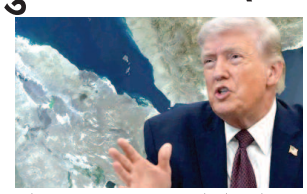

पोस्ट वायरल होने से मचा हड़कम्प

दरअसल, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से बड़ी मात्रा में तेल का परिवहन होता है। ऐसे संवेदनशील क्षेत्र का नाम बदलने की यह प्रतीकात्मक पहल कई लोगों को चौंकाने वाली लगी। ट्रंप ने इस पोस्ट के साथ ईरान के खिलाफ सख्त रुख भी दोहराया। उन्होंने कहा कि जब तक ईरान अपनी परमाणु योजनाओं को नहीं छोड़ता, तब तक किसी समझौते की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने अमेरिकी नौसेना की ताकत का जिक्र करते हुए इसे दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना बताया। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका की ओर से ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए नौसैनिक नाकेबंदी और संभावित सैन्य कार्रवाई की रणनीति भी तैयार की जा रही है। इस घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है और क्षेत्र में तनाव और गहराने के संकेत मिल रहे हैं।

द्वारका में दर्दनाक हादसा: तालाब में डूबे तीन बच्चों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजधानी के द्वारका इलाके में गुरुवार सुबह एक बेहद दुखद हादसा सामने आया, जहां गोल्फ कोर्स के तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। मृतक बच्चों की उम्र 8 से 10 साल के बीच बताई जा रही है। घटना द्वारका सेक्टर–24 की है, जिसने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया।

जानकारी के अनुसार, सुबह करीब सात बजे पुलिस को एक पीसीआर कॉल मिली, जिसमें तीन बच्चों के तालाब में डूबने की सूचना दी गई। मौके पर तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। काफी प्रयासों के बाद तीनों बच्चों के शव तालाब से बाहर निकाले गए। पुलिस जांच में सामने आया कि तालाब के किनारे बच्चों के कपड़े पड़े मिले थे। इससे आशंका जताई जा रही है कि बच्चे नहाने के लिए पानी में उतरे थे, लेकिन गहराई का अंदाजा न होने के कारण हादसे का शिकार हो गए। घटना के बाद इलाके में भारी भीड़ जुट गई और लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

ईरान संघर्ष के असर से पाकिस्तान पर आर्थिक दबाव, पीएम शरीफ ने मानी मुश्किलें

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान में आर्थिक हालात पहले से ही कमजोर थे, और अब क्षेत्रीय तनाव ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। इसी बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्वीकार किया है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ईरान से जुड़े हालात ने देश की अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर डाला है।

प्रधानमंत्री ने कैबिनेट बैठक में बताया कि तेल आयात की लागत में भारी वृद्धि हुई है। उनके अनुसार, पहले जहां तेल आयात पर लगभग 300 मिलियन डॉलर खर्च हो रहा था, वहीं अब यह बढ़कर 800 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। इस बढ़ोतरी ने देश की अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है और विदेशी मुद्रा भंडार पर भी दबाव बढ़ा है। शरीफ ने यह भी कहा कि उनकी सरकार क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए लगातार कूटनीतिक प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान ने ईरान और अन्य पक्षों के बीच तनाव कम करने में भूमिका निभाने की कोशिश की है और बातचीत को आगे बढ़ाने में सहयोग दिया है।

हालांकि जमीनी हकीकत अलग तस्वीर पेश करती है। देश में महंगाई और ऊर्जा संकट से आम जनता परेशान है। कई इलाकों में गैस और ईंधन की भारी कमी देखी जा रही है। कुछ जगहों पर लोग घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए असामान्य तरीके अपनाने को मजबूर हो रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि बाहरी तनाव के साथ–साथ आंतरिक आर्थिक कमजोरियां भी पाकिस्तान की स्थिति को और खराब कर रही हैं। ऐसे में आने वाले समय में सरकार के सामने आर्थिक स्थिरता बनाए रखना बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

66 साल के बुजुर्ग की 35 साल की महिला से शादी बनी चर्चा का विषय

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के बंजार उपमंडल के थरिम्बला गांव में एक अनोखी शादी ने लोगों का ध्यान खींच लिया है। यहां 66 वर्षीय सोम देव ने 35 वर्षीय महिला के साथ विवाह किया है। दोनों के बीच करीब 31 साल उम्र का अंतर है, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने आपसी सहमति से जीवनसाथी बनने का फैसला लिया।

शादी के बाद यह जोड़ा बेहद खुश नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि विवाह के कुछ हफ्तों बाद ही दोनों ने अपने गांव में रिसेप्शन आयोजित किया। इस कार्यक्रम में परिवार और स्थानीय लोग शामिल हुए। रिसेप्शन के दौरान दूल्हा–दुल्हन ने पारंपरिक नृत्य किया और एक–दूसरे का हाथ पकड़कर खुशी जाहिर की। उनका डांस देखकर मौजूद लोग भी उत्साहित हो गए। सोशल मीडिया पर इस जोड़े के कई वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें दोनों साथ में नाचते और हंसते हुए नजर आ रहे हैं। लोग इन वीडियो पर अलग–अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और यह शादी चर्चा का बड़ा विषय बन गई है। जानकारी के अनुसार, सोम देव ने बताया कि वे पहले अकेले रहते थे और परिवार के न होने के कारण जीवन में अकेलापन महसूस करते थे।

आबकारी विभाग ने पकड़ी 22 लाख की अवैध शराब

हरियाणा से लाई जा रही थी शराब

नागालैंड के नंबर के ट्रक से की जा रही थी शराब तस्करी

यूनिक समय मथुरा। आबकारी विभाग ने जैंत थाना क्षेत्र में आज अवैध शराब की होने वाली तस्करी को रोकने के लिए चेकिंग अभियान चलाया। अभियान में एक नागालैंड नंबर के ट्रक से 283 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की है। बरामद शराब की कीमत करीब 22 लाख रुपये बताई जा रही है।

आबकारी विभाग की टीम द्वारा हरियाणा मार्का शराब की अवैध तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया। आबकारी टीम ने जैंत पुलिस के साथ मिलकर कृष्णा वैली के सामने सयुंक्त रूप से वाहन चेकिंग की। चेकिंग के दौरान हरियाणा की तरफ से आ रहे एक नागालैंड नंबर के बंद बॉडी ट्रक को चेकिंग के लिए रोका गया। ट्रक की तलाशी लेने पर ट्रक में लकड़ी के बड़े बॉक्स में छुपा कर रखी गई हरियाणा मार्का अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई। शराब को बिक्री करने के लिए ले जाया जा रहा था। ट्रक से 283 पेटी (51 पेटी बोतल, 174 पेटी हॉफ, 58 पेटी क्वार्टर, 2526.12 बी एल) बरामद शराब हरियाणा राज्य में बिक्री के लिए ही अनुमन्य है। बरामद शराब की कीमत बाजार में 22 लाख रुपये है। पुलिस ने इस मामले में थाना जैंत में आबकारी अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है।

अधेड़ व्यक्ति का शव रेलवे लाइन पर मिला

यूनिक समय मथुरा। भूतेश्वर रेलवे लाइन से एक अधेड़ व्यक्ति का शव पुलिस ने बरामद किया है। अधेड़ व्यक्ति का गला गटा शव रेलवे लाइन पर पड़ा हुआ था। पुलिस ने शव को पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। भूतेश्वर रेलवे लाइन पर गुरुवार की सुबह अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शहर कोतवाली के मानस नगर महोली रोड निवासी 58 वर्षीय नवीन प्रकाश शर्मा का शव भूतेश्वर रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। इसकी जानकारी लगते ही लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। स्वजन का आरोप है कि हत्या के बाद शव को रेलवे ट्रैक पर फेंका गया है। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाल विनोद बाबू मिश्र ने बताया तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

गोवर्धन में पुलिस ने बृहस्पति बाजार का अतिक्रमण हटाया

कस्बा गोवर्धन में लगने वाले बृहस्पति बाजार के अतिक्रमण को हटवाती पुलिस।

यूनिक समय, गोवर्धन (मथुरा)। कस्बा गोवर्धन में बृहस्पति बाजार को लेकर लगातार मिल रही जाम और अव्यवस्था की शिकायतों के बीच पुलिस प्रशासन ने गुरुवार को सख्त कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटवा दिया। इसके साथ ही दुकानदारों को निर्धारित स्थान पर ही दुकान लगाने के निर्देश दिए। गोवर्धन–मथुरा मार्ग पर लगने वाले बृहस्पति बाजार के कारण आए दिन जाम की स्थिति बन रही थी। राहगीरों और श्रद्धालुओं को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को देखते हुए क्षेत्राधिकारी गोवर्धन अनिल कुमार सिंह के प्रयासों से बाजार को राधाकुंड मार्ग स्थित पार्किंग स्थल में स्थानांतरित किया गया था। इसके बावजूद कुछ दुकानदारों द्वारा सड़क के दोनों ओर ठेले और रेहड़ी लगाकर फिर से अतिक्रमण शुरू कर दिया गया। गोवर्धन पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क से अतिक्रमण हटवाते हुए दुकानदारों को पार्किंग स्थल के अंदर ही दुकान लगाने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों को हटवाकर उन्हें भी उचित स्थान उपलब्ध कराया जाए।

पार्किंग स्थल के अंदर ही दुकान लगायें दुकानदार

गैस एजेंसी पर फर्जीवाड़े का आरोप उपभोक्ता ने शपथ पत्र देकर खोली पोल

यूनिक समय, सौंख (मथुरा)। गैस सिलेंडर की आपूर्ति में देरी को लेकर शुरू हुआ विवाद अब गंभीर रूप ले चुका है। सौंख इण्डेन ग्रामीण वितरक अक्खा सौंख गैस एजेंसी पर आरोप लगा है कि उन्होंने अपनी गलती छिपाने के लिए उपभोक्ता के नाम पर एक फर्जी प्रार्थना पत्र तैयार कर विभाग को गुमराह किया।

पूरा मामला तब शुरू हुआ जब उपभोक्ता इंद्रावती देवी ने गैस सिलेंडर देरी से मिलने पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर एजेंसी ने सफाई देते हुए एक कथित प्रार्थना पत्र पेश किया, जिसमें दिखाया गया कि इंद्रावती देवी ने स्वीकार किया है कि उनकी गैस डायरी प्रेम नारायण शर्मा के पास थी और प्रेम नारायण ने ही उनकी ओर से झूठी शिकायत की है।

जब इस षड्यंत्र की जानकारी प्रेम नारायण को हुई तो उन्होंने उपभोक्ता इंद्रावती देवी से संपर्क किया। सच्चाई सामने लाते हुए इंद्रावती देवी ने एक शपथ पत्र दिया है, जिसमें उन्होंने एजेंसी के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। प्रेम नारायण शर्मा और पीड़ित पक्ष ने अब उच्चाधिकारियों से इस धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है! डीएम एवं एसएसपी ने जल्द ही जांचकर कार्रवाई का अश्वासन दिया क्षेत्रीय प्रबन्धक संजय प्लेस आगरा को डाक द्वारा भेज दी गयी है। उधर, गैस एजेंसी संचालक से संपर्क न होने के कारण उसका पक्ष नहीं दिया जा रहा है।

डीपीआरओ ने ग्राम पंचायत अकबरपुर का किया निरीक्षण

व्यापारी पांच रुपये किलो में ग्राम पंचायत को बेचें प्लास्टिक : डीपीआरओ

निरीक्षण करते डीपीआरओ धनंजय जयसवाल।

यूनिक समय, चौमुहां। जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जयसवाल ने ग्राम पंचायत अकबरपुर का औचक निरीक्षण कर अधीनस्थों को दिशा निर्देश दिए। डीपीआरओ ने अकबरपुर के पंचायत भवन में स्थापित डिजिटल लाइब्रेरी और पॉलीथिन मुक्त तलाब का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पंचायत सचिव को निर्देशित करते हुए कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी का प्रचार प्रसार प्रमुखता से कराया जाए। ग्राम पंचायत में दीवारों पर जगह–जगह स्लोगन लिखवाए जाए। जिससे अधिक से अधिक संख्या में छात्र–छात्राओं को अपने ही गांव में डिजिटल लाइब्रेरी का मिल सके। उन्होंने व्यापारियों से कहा कि वह प्रतिष्ठानों से निकलने वाली प्लास्टिक को एकत्रित कर ग्राम पंचायत को पांच रुपये प्रति के हिसाब से बेच दे ताकि ब्रज रज प्लास्टिक से मुक्त हो सके। जिला पंचायत राज अधिकारी ने गांव से निकलने वाले पानी के लिए बनाए गए फिल्टर चैम्बर को देखकर सन्तुष्टि जताई।

उन्होंने गांव के तालाब को प्लास्टिक से मुक्त करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने पंचायत सचिव से स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। इस अवसर पर एडीओ पंचायत नवेश कुमार सुमन, सचिव राजेश कुमार, पंचायत सहायक सोनिया, कार्यालय सहायक प्रेमचंद उपस्थित थे।

एलीट न्यू जनरेशन इंटरनेशनल स्कूल में श्रमिकों का सम्मान

मेहनती कर्मचारियों पर टिकी होती है संस्थान की नींव : चेयरमैन

यूनिक समय, मथुरा। एलीट न्यू जनरेशन इंटरनेशनल स्कूल मथुरा के प्रांगण में श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य और हृदयस्पर्शी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के 'मददगार हाथों', यानी सहायक कर्मचारियों के अथक परिश्रम और समर्पण को सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों ने सहायक कर्मचारियों के लिए स्वयं कार्ड्स बनाए तथा उन्हें भेंट भी किए। उपरोक्त कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में श्रम व सभी श्रमिक वर्गों के महत्वपूर्ण योगदान को समझना तथा उसके प्रति कृतज्ञता के भाव का अवलोकन करना मुख्य उद्देश्य रहा। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन दिनेश चंद अग्रवाल ने कहा कि किसी भी संस्थान की नींव उसके मेहनती कर्मचारियों पर टिकी होती है। आज का यह दिन हमें यह याद दिलाने के लिए है कि कोई भी काम छोटा नहीं होता और हर हाथ जो देश के निर्माण में लगा है वह सम्मान का पात्र है। हम अपने स्कूल के सहायक कर्मचारियों के प्रति आभारी हैं, जो पर्दे के पीछे रहकर हमारे बच्चों के भविष्य को सुरक्षित और स्वच्छ बनाते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य, एडमिनिस्ट्रेटर, ओएसडी व समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

महिला को जिन्दा जलाने वाला दोषी करार

कोर्ट में पांच मई को होगी सुनवाई

यूनिक समय मथुरा। जिला जज विकास कुमार की अदालत ने फरह थाना क्षेत्र में महिला को जिन्दा जलाने वाले को दोषी करार दिया है। अभियुक्त ने महिला का भेष धारण कर घर में प्रवेश कर जलाया था। सजा के बिन्दु पर अदालत में 5 मई को सुनवाई होगी। शासन की ओर से मुकदमे की पैरवी जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि फरह थाना क्षेत्र के एक गांव में उमेश पुत्र लक्ष्मन निवासी हसनपुर थाना हसनपुर पलवल हरियाणा 11 मार्च 2025 की दोपहर महिला का भेष धारण कर घर में घुस गया था। उमेश ने महिला के साथ दुराचार करने का प्रयास किया। विरोध करने पर उसने महिला पर पेट्रोलियम पदार्थ डाल कर उसे जला दिया। महिला की चीख पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे तो उमेश छत से कूद गया था। इससे उसके सिर व पैर में चोट आई थी। महिला को गंभीर हालत में परिजनों ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। घायल उमेश को फरह पुलिस ने आगरा एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया था। महिला के पति ने उमेश के खिलाफ फरह थाने में पत्नी को जिंदा जलाकर उसकी हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

थाना प्रभारी गोविंद नगर पर मुकदमा दर्ज करने के आदेश

यूनिक समय, मथुरा। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (कक्ष संख्या–4) ने न्यायालय के आदेश की अनदेखी करने पर थाना गोविंद नगर प्रभारी के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। मामला अपराध संख्या 161/2024 व प्रकीर्ण वाद संख्या 1004/2026 (राज्य बनाम आशुतोष पाण्डेय) से जुड़ा है। अदालत ने बताया कि 13 अप्रैल को थाना प्रभारी को तलब किया गया था और उन्होंने 24 जनवरी 2025 के आदेश के अनुपालन का आश्वासन दिया था, लेकिन न तो वे 28 अप्रैल की सुनवाई में उपस्थित हुए और न ही कोई आख्या प्रस्तुत की। एक वर्ष से अधिक समय तक आदेश का पालन न होना अदालत ने गंभीर लापरवाही माना। न्यायालय ने इसे अवमानना मानते हुए बीएनएसएस की धारा 388 के तहत मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं। साथ ही 13 मई को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का नोटिस जारी किया है।

राजीव इंटरनेशनल स्कूल के छात्र लक्ष शर्मा की गोल्डन हैट्रिक

तीसरी उत्तर प्रदेश रोलर स्केट चैम्पियनशिप में किया कमाल

यूनिक समय, मथुरा। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करा चुके होनहार स्केटर लक्ष शर्मा ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और कौशल का नायाब उदाहरण पेश किया है। राजीव इंटरनेशनल स्कूल के प्रतिभाशाली छात्र लक्ष शर्मा ने गाजियाबाद में हुई तीसरी उत्तर प्रदेश रोलर स्केट चैम्पियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतकर समूचे प्रदेश में ब्रज क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

प्राचार्या प्रिया मदान ने बताया कि आरआईएस का चमकता सितारा लक्ष शर्मा स्केटिंग जैसे जोखिम भरे खेल में नित नए कीर्तिमान बना रहा है। लक्ष के नाम अब तक कई ऐतिहासिक उपलब्धियां दर्ज हो चुकी हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश रोलर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के मार्गदर्शन तथा रोलर स्पॉर्ट्स एसोसिएशन गाजियाबाद द्वारा आयोजित तीसरी उत्तर प्रदेश रोलर स्केट चैम्पियनशिप में लक्ष शर्मा ने 200 मीटर, 400 मीटर तथा 600 मीटर रेस में गोल्ड मेडल की हैट्रिक लगाकर खेल प्रेमियों को दांतों तले उंगली दबाने को विवश कर दिया। प्राचार्या मदान ने कहा कि प्रत्येक छात्र–छात्रा की प्रतिभा को पहचान कर उसे प्रगति पथ पर अग्रसर करना ही राजीव इंटरनेशनल स्कूल का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी यहां के छात्र–छात्राएं इसी तरह सफलताएं हासिल कर अपने जिले मथुरा को गौरवान्वित करेंगे। गाजियाबाद में लक्ष की स्वर्णिम हैट्रिक से उसके माता–पिता तथा कोच भी बहुत खुश हैं।

स्वर्ण पदकों के साथ होनहार लक्ष।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज करा चुका हैं अपना नाम

कोच का कहना है कि लक्ष में सीखने और बेहतर करने की गजब की क्षमता है। इस उम्र में हासिल की गईं उसकी उपलब्धियां सुनहरे भविष्य का सूचक हैं। राजीव इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने लक्ष शर्मा की शानदार उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ब्रज के होनहार ने अपने प्रदर्शन से इस कहावत को चरितार्थ कर दिया कि प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती। श्री अग्रवाल ने कहा कि इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करा चुके लक्ष का स्टेट लेवल पर तीन स्वर्ण पदक जीतना बहुत बड़ी बात है। चेयरमैन श्री अग्रवाल ने लक्ष को शाबाशी देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। श्री अग्रवाल ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भविष्य में भी लक्ष राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर अपने जनपद, प्रदेश और देश का नाम रोशन करेगा। श्री अग्रवाल ने कहा कि कठिन परिश्रम, धैर्य और लगन से ही ऐसे हीरे निखर कर आते हैं। उन्होंने कहा कि इससे अन्य बच्चों को भी खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी। श्री अग्रवाल ने छात्र–छात्राओं से पढ़ाई के साथ कुछ समय खेलों को भी देने का आह्वान किया।

भारत–अमेरिका फ्री ट्रेड डील भारतीय किसानों के लिए "डेथ वारंट"

भाकियू चढ़ूनी ने शुरू किया प्रदर्शन प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। भाकियू चढ़ूनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी के आह्वान पर केंद्र सरकार की कथित किसान–विरोधी नीतियों तथा भारत–अमेरिका फ्री ट्रेड डील के संभावित दुष्प्रभावों के विरोध में भाकियू चढ़ूनी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के साथ नारेबाजी करते हुए मांगों को लेकर जिला अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को प्रेषित ज्ञापन सौंपा।

जिला अध्यक्ष संजय पाराशर ने कहा कहा कि भारत के किसान पहले से ही गंभीर चुनौतियों से जूझ रहे हैं। बढ़ती लागत, फसलों के उचित मूल्य का अभाव, प्राकृतिक आपदाएं तथा कर्ज का बोझ से जूझते हुए किसान आत्महत्या तक के कदम उठा रहा है। ऐसे में यदि विदेशी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में प्रवेश दिया जाता है, तो किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा क्योंकि भारत की खेती आजीवका है जबकि विदेशों में खेती व्यापार है। दूसरे चरण में संगठन पूरे देश में सभी सांसदों को विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपेगा। मुख्यमंत्री को प्रेषित ज्ञापन में मांग की गई कि स्मार्ट मीटर/ प्रीपेड मीटर को जबरजस्ती न थोपा जाए क्योंकि ज्यादातर आबादी की कोई रेगुलर आमदनी नहीं है। प्रदेश महासचिव सतीश चंद्र ने कहा तहसीलों पर किसानों का उत्पीड़न शोषण किया जा रहा है। दाखिल खारिज, कुड़ा बटवारा, जन्म, मृत्यु, आय प्रमाणपत्रों के लिए लोगों को परेशान किया जाता है। एंटी करप्शन टीम से बचने के लिए प्राइवेट कर्मचारियों द्वारा कार्य कराए जा रहे हैं। बिजली की अघोषित कटौती हो रही है। ज्ञापन देने वालों में जगदीश तोमर, राधेश्याम सिकरवार, कुंतभोज, गौरव तोमर, दिनेश तोमर, भुल्ली सिंह, रवि मुहम्मद, राजकुमार, कैलाश तोमर, हरिओम, रंजीत सिंह, रूपनारायण, रामशरण सिंह तथा योगेंद्र सिंह आदि शामिल थे।